

**اَنْزَلَ مَا اَوْحَىٰ اِلَيْكَ مِنَ الْكِتَابِ وَاَقِمِ الصَّلَاةَ**

आप इस किताब की तिलावत करते रहिये जो आप की तरफ़ वही की गई है और नमाज़ कायम कीजिये.

اِنَّ الصَّلَاةَ تَنْهَىٰ عَنِ الْفَحْشَاءِ وَالْمُنْكَرِ وَلَذِكْرُ اللَّهِ

यकीनन नमाज़ बेहयाई और बुरे कामों से रोकती है. और अल्लाह का जिक्र

اَكْبَرُ وَاللَّهُ يَعْلَمُ مَا تَصْنَعُونَ ﴿۲۹﴾ وَلَا تَجَادِلُوا أَهْلَ

सब से बड़ी चीज़ है. और अल्लाह जानता है वो जो तुम करते हो. और बेहतर अन्दाज़ के सिवा

الْكِتَابِ اِلَّا بِالَّتِي هِيَ اَحْسَنُ ۖ اِلَّا الَّذِينَ ظَلَمُوا مِنْهُمْ

ओड़ले किताब से ज़घडा मत करो. मगर वो जो उन में से जालिम हैं

وَقَوْلُوا اٰمَنَّا بِالَّذِي اُنزِلَ اِلَيْنَا وَاُنزِلَ اِلَيْكُمْ

और यूँ कहो हम ईमान लाए हैं उस किताब पर जो हमारी तरफ़ उतारी गई और जो तुम्हारी तरफ़ उतारी गई

وَالِهٰنَا وَالِهٰكُمْ وَاِحٰدٌ وَّ نَحْنُ لَهٗ مُسْلِمُونَ ﴿۳۰﴾

और हमारा और तुम्हारा माबूद अक ही है और हम उसी के ताबेदार हैं.

وَ كَذٰلِكَ اَنْزَلْنَا اِلَيْكَ الْكِتَابَ ۖ فَالَّذِيْنَ اٰتٰهُمْ الْكِتٰبَ

और इसी तरह हम ने आप की तरफ़ ये किताब उतारी. फिर वो जिन को हम ने किताब दी

يُؤْمِنُوْنَ بِهٖ ۚ وَّمِنْ هٰؤُلَاءِ مَنْ يُّؤْمِنُ بِهٖ ۖ وَّمَا يَجْحَدُ

वो इस पर ईमान रभते हैं. और इन लोगों में से कुछ उस पर ईमान रभते हैं. और हमारी आयतों का

بِاٰيٰتِنَا اِلَّا الْكٰفِرُوْنَ ﴿۳۱﴾ وَّمَا كُنْتَ تَتْلُوْا مِنْ قَبْلِهٖ

ई-कार नहीं करते मगर जो काफ़िर हैं. और आप इस से पहले न कोई किताब तिलावत

مِنْ كِتٰبٍ وَّلَا تَخْطُ بِيَمِيْنِكَ اِذَا لَرَّتَابِ الْبٰطِلُوْنَ ﴿۳۲﴾

करते थे और न अपने दाडने हाथ से लिखते थे, तब तो ज़रूर बातिलपरस्त शक में पडते.

بَلْ هُوَ اٰيٰتُ بَيِّنٰتٍ فِىْ صُدُوْرِ الَّذِيْنَ اُوْتُوْا الْعِلْمَ

बल्के ये रोशन आयतें हैं उन लोगों के सीनों में जिन को ईल्म दिया गया.

وَمَا يَجْحَدُ بِاٰيٰتِنَا اِلَّا الظّٰلِمُوْنَ ﴿۳۳﴾ وَقَالُوْا

और हमारी आयात का जालिम लोग ही ई-कार करते हैं. और केहते हैं

لَوْلَا اُنزِلَ عَلَيْهِ اٰيٰتٌ مِّنْ رَّبِّهٖ ۖ قُلْ اِنَّمَا الْاٰيٰتُ

उस पर उस के रभ की तरफ़ से मोअजिजात क्यूँ नहीं उतारे गये? आप इरमा दीजिये के मोअजिजात तो सिर्फ़

عِنْدَ اللّٰهِ ۚ وَاِنَّمَا اَنَا نَذِيْرٌ مُّبِيْنٌ ﴿٥١﴾ اَوْلَمْ يَكْفِيْهِمْ اَنَّا

अद्लाह के पास हैं. और मैं तो सिर्फ साफ़ साफ़ डराने वाला हूँ. क्या उन के लिये ये काफ़ी नहीं है

اَنْزَلْنَا عَلَيْكَ الْكِتٰبَ يُتْلٰى عَلَيْهِمْ ۗ اِنَّ فِيْ ذٰلِكَ

के उम ने आप की तरफ़ ये किताब उतारी जो उन पर तिलावत की जाती है. यकीनन उस में

لَرَحْمَةً وَّذِكْرٰى لِقَوْمٍ يُؤْمِنُوْنَ ﴿٥٢﴾ قُلْ كَفٰى بِاللّٰهِ بَيْنِيْ

रहमत है और नसीहत है ऐसी कौम के लिये जो ईमान लाती है. आप इरमा दीजिये अद्लाह मेरे

وَبَيْنَكُمْ شٰهِيْدًا ۗ يَعْلَمُ مَا فِى السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ ۗ

और तुम्हारे हरमियान काफ़ी गवाह है. अद्लाह जानता है जो कुछ आस्मानों और ज़मीन में है.

وَالَّذِيْنَ اٰمَنُوْا بِالْبٰطِلِ وَاكْفَرُوْا بِاللّٰهِ اُوْلٰٓئِكَ هُمُ

और जो बातिल पर ईमान रખते हैं और अद्लाह के साथ कुछ करते हैं, यही लोग ખसारा उढाने

الْخٰسِرُوْنَ ﴿٥٣﴾ وَيَسْتَعْجِلُوْنَكَ بِالْعٰذَابِ ۗ

वाले हैं. और ये लोग आप से अज़ाब जल्दी तलब कर रहे हैं.

وَاُولٰٓءِ اَجَلٌ مُّسَمًّى لَّجَآءِهِمْ الْعٰذَابُ ۗ وَلَيٰٓأْتِيْنَهُمْ بَغْتَةً

और अगर वक़्त मुकर्रर किया हुवा न होता तो उन के पास अज़ाब आ जाता. और अलबतता उनके पास वो

وَهُمْ لَا يَشْعُرُوْنَ ﴿٥٤﴾ يَسْتَعْجِلُوْنَكَ بِالْعٰذَابِ ۗ

अयानक ही आ जायेगा और उन्हें मालूम भी नहीं होगा. ये आप से अज़ाब जल्दी तलब कर रहे हैं.

وَإِنَّ جَهَنَّمَ لَمُحِيْطَةٌ ۖ بِالْكَافِرِيْنَ ﴿٥٥﴾ يَوْمَ يَعْمَسُ الْعٰذَابُ

और यकीनन जहन्नम काफ़ि़रों को घेरने वाली है. जिस दिन उन को अज़ाब ढांप लेगा

مِنْ فَوْقِهِمْ وَمِنْ تَحْتِ اَرْجُلِهِمْ ۗ وَيَقُوْلُ ذُوْقُوْا

उन के उपर से और पैरों के नीचे से और कहेगा के तुम

مَا كُنْتُمْ تَعْمَلُوْنَ ﴿٥٦﴾ يُعْبٰدِيْ الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا

अपने आमाह के मज़े लो. ओ मेरे बन्दो जो ईमान लाये हो!

اِنَّ اَرْضِيْ وَاِسْعٰءٌ فَاِيّٰى فَاَعْبُدُوْنَ ﴿٥٧﴾ كُلُّ نَفْسٍ

यकीनन मेरी ज़मीन वसीअ है, तो तुम मेरी ही ईबादत करो. हर जानदार को

ذٰٓئِقَةٌ الْمَوْتِ ۗ ثُمَّ اِلَيْنَا تُرْجَعُوْنَ ﴿٥٨﴾ وَالَّذِيْنَ اٰمَنُوْا

मौत का मज़ा यभना है. फिर उमारी तरफ़ तुम्हें वापस आना है. और जो ईमान लाये

وَ عَمِلُوا الصَّالِحَاتِ لِنُبُوَّتِهِمْ مِّنَ الْجَنَّةِ غُرَفًا تَجْرِي

और नेक अमल करते रहे, उम उन्हे ज़रूर जन्नत में से ठिकाना होंगे ऐसे बालाबानों (उपरवाली मन्जिलों)

مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا نِعَمَ أَجْرَ الْعَمَلِينَ ۝۵۸

में जिन के नीचे से नहरें बहती होंगी, जिन में वो हमेशा रहेंगे. अमल करने वालों का बहला कितना अच्छा है!

الَّذِينَ صَبَرُوا وَعَلَىٰ رَبِّهِمْ يَتَوَكَّلُونَ ۝۵۹

वो लोग जिन-हों ने सध्र किया और अपने रब पर तवक्कुल करते हैं.

وَكَأَيِّن مِّن دَابَّةٍ لَّا تَجِدُ رِزْقَهَا ۗ اللَّهُ يَرْزُقُهَا وَإِيَّاكُمْ ۗ

और कितने जानवर हैं जो अपनी रोजी उठा कर नहीं रखते. अल्लाह ही उन्हे और तुम्हें भी रोजी देता है.

وَهُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ ۝۶۰

और अल्लाह सुनने वाला, एल्म वाला है. और अगर आप उन से पूछें किस ने आस्मान

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَسَخَّرَ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ لِيَقُولُنَّ

और जमीन पैदा किये और किस ने याँद और सूरज को काम में लगा रखा है, तो ज़रूर वो बोलेँगे के अल्लाह ने.

اللَّهُ ۗ فَإِنِّي يُؤْفَكُونَ ۝۶۱

किर कहां वो लौटाये जाते हैं? अल्लाह रोजी कुशाह करता है जिस के लिये

يَشَاءُ مِنْ عِبَادِهِ وَيَقْدِرُ لَهُ ۗ إِنَّ اللَّهَ بِكُلِّ شَيْءٍ

याहता है अपने बन्दों में से और तंग करता है जिस के लिये याहता है. यकीनन अल्लाह हर चीज को भूष

عَلِيمٌ ۝۶۲

जानने वाला है. और अगर आप उन से सवाल करें के किस ने आस्मान से पानी उतारा,

فَأَحْيَا بِهِ الْأَرْضَ مِنْ بَعْدِ مَوْتِهَا لِيَقُولَنَّ اللَّهُ ۗ

किर उस के जरिये जमीन को उस के भुशक हो जाने के बाद जिन्दा किया, तो ज़रूर वो जवाब होंगे के अल्लाह ने.

قُلِ الْحَمْدُ لِلَّهِ ۗ بَلْ أَكْثَرُهُمْ لَا يَعْقِلُونَ ۝۶۳

आप इरमा दीजिये के तमाम तारीकें अल्लाह के लिये हैं. लेकिन उन में से अकसर समजते नहीं.

وَمَا هَذِهِ الْحَيَاةُ الدُّنْيَا إِلَّا لَهُوَ ۗ وَعَبُّ ۗ وَإِنَّ الدَّارَ

और ये दुन्यवी जिन्दागी नहीं है मगर हिल्लगी और भेल. और यकीनन आभिरत

الْآخِرَةَ لَهَا الْحَيَاةُ ۗ لَوْ كَانُوا يَعْلَمُونَ ۝۶۴

वाला घर वही (असल) जिन्दागी है. काश ये समजते.

فَاِذَا رَكِبُوْا فِی الْفَلْکِ دَعَوْا اللّٰهَ مُخْلِصِيْنَ لَهُ

झर जब वो सवार डोते हें कशती में तो अल्लाह को पुकारते हें उसी के लिये धबादत को ढालिस करते

الدِّیْنَ ۵۱ فَلَمَّا نَجَّهْمُ إِلَى الْبَرِّ اِذَا هُمْ يُشْرِكُوْنَ ۱۵

हुवे. झर जब अल्लाह उन्हे ढुशकी की तरफ़ ढया कर ले आता है, तो झैरन ही वो शरक करने लगते हें.

لِيَكْفُرُوْا بِمَا اٰتَيْنَهُمْ ۙ وَلِيَمْتَعُوْا بِمَا فَسُوْفَ يَعْلَمُوْنَ ۱۶

ताके नाशुकरी करें उन नेअमतों में जो ढम ने उन्हे दीं. और ताके वो मते उडा लें. झर आगे उन्हे पता यलेगा.

اَوَّلَمْ يَرَوْا اَنَّا جَعَلْنَا حَرَمًا اٰمِنًا وَيُيَخْطَفُ النَّاسُ

कया उन्हों ने देढा नहीं के ढम ने अमन वाला डरम ढनाया डालांके लोग उस के अतराफ़ से उयक

مِنْ حَوْلِهِمْ ۙ اَفَبِالْبَاطِلِ يُؤْمِنُوْنَ وَبِنِعْمَةِ اللّٰهِ

लिये जाते हें? कया झर वो ढातिल पर धमान रढते हें और अल्लाह की नेअमत की नाशुकरी

يَكْفُرُوْنَ ۱۷ وَمَنْ اَظْلَمُ مِمَّنِ افْتَرٰی عَلٰی اللّٰهِ

करते हें? और उस से ढयाद ढलम कौन डोगा जो अल्लाह पर शूठ

كٰذِبًا ۙ اَوْ كَذَّبَ بِالْحَقِّ لَمَّا جَاءَهُ ۙ اَلَيْسَ

घडे या डक को शूठलाओ जब वो उस के पास आओ? कया

فِیْ جَهَنَّمَ مَثْوٰی لِّلْكَافِرِيْنَ ۱۸ وَالَّذِيْنَ جَاهَدُوْا فِیْنَا

शडन्नम काझरों का ठिकाना नहीं? और वो लोग जिन्डों ने ढुजाडद कया डमारी ढातिर

لِنَهْدِيْهِمْ سُبُلَنَا ۙ وَاِنَّ اللّٰهَ لَمَعَ الْاِحْسٰنِيْنَ ۱۹

तो ढम उन्हे डमारे रास्तों की ढरर रडनुमाध करेंगे. और यकीनन अल्लाह ओडसान करने वालों के साथ है.

رُّوْمًا ۶

سُوْرَةُ الرَّوْمِ مَكِّيَّةٌ (۱۴)

اٰیٰتُهَا ۶۰

और ६ रुकूअ हें

सूरओ रुम मक्का में नाजिल हुध

धस में ६० आयतें हें

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ۝

पणडता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो ढडा ढेडरढान, निडायत रडम वाला है

اَلْمَرَّةِ ۙ غَلَبَتِ الرَّوْمُ ۙ فِیْ اَدْنٰی الْاَرْضِ وَهُمْ

अलिकु लाम ढीम. रुमी धस ढढीन के करीढी धलाके में मग्लूढ हुवे. और वो

مِّنْۢ بَعْدِ عَلَيْهِمْ سَيَعْلَبُوْنَ ۙ فِیْۤ اَبْضَعِ سِنِيْنَ ۙ اللّٰهُ

मग्लूढ डोने के ढाद शडद ही गालिढ डोंगे. यंद साल में. तढाम

الْأَمْرُ مِنْ قَبْلُ وَمِنْ بَعْدُ وَ يُؤْمِدُ يُفْرِحُ

उभूर अद्लाड ही के कब्जे में हें एस से पेडले भी और एस के बाद भी. और एस दिन एमान वाले अद्लाड की

الْمُؤْمِنُونَ ۝ يَنْصُرُ اللَّهُ يَنْصُرُ مَنْ يَشَاءُ ۖ وَهُوَ الْعَزِيزُ

नुस्तर पर भुश डो जाअंगे. अद्लाड नुस्तर करता है जिस की यादता है. और वो जबरदस्त है,

الرَّحِيمُ ۝ وَعَدَّ اللَّهُ لَا يُخْلِفُ اللَّهُ وَعْدَهُ

निछायत रहम वाला है. ये अद्लाड के वादे के तौर पर है. अद्लाड अपने वादे के खिलाफ नहीं करेगा,

وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ۝ يَعْلَمُونَ ظَاهِرًا

लेकिन अकसर लोग जानते नहीं. वो दृश्यवी जिन-दगी के ज़ाहिर का एल्म

مِّنَ الْحَيَاةِ الدُّنْيَا ۖ وَهُمْ عَنِ الْآخِرَةِ هُمْ غَفْلُونَ ۝

रખते हैं. और वो आभिरत से गाहिल हैं.

أَوَلَمْ يَتَفَكَّرُوا فِي أَنفُسِهِمْ ۗ مَا خَلَقَ اللَّهُ السَّمَوَاتِ

क्या उन्हों ने सोचा नहीं अपने दिल में के अद्लाड ने आस्मान और जमीन और उन के

وَ الْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا إِلَّا بِالْحَقِّ وَأَجَلٍ مُّسَمًّى ۗ

हरमियान की चीजें पैदा नहीं कीं मगर डक के साथ और अक मुकर्ररा वक्त तक के लिये?

وَ إِنَّ كَثِيرًا مِّنَ النَّاسِ بِلِقَائِ رَبِّهِمْ لَكٰفِرُونَ ۝

और यकीनन ए-सानों में से बडोत से अपने रब की मुलाकात का ए-कार करते हैं.

أَوَلَمْ يَسِيرُوا فِي الْأَرْضِ فَيَنْظُرُوا كَيْفَ كَانَ

क्या वो जमीन में यले (किरे) नहीं के देखते के उन लोगों का अ-जाम

عَاقِبَةُ الَّذِينَ مِن قَبْلِهِمْ ۗ كَانُوا أَشَدَّ مِنْهُمْ قُوَّةً

कैसा डुवा जो उन से पडले थे. जो उन से जयादा कुव्वत वाले थे

وَ أَثَارُوا الْأَرْضَ وَ عَمَرُوهَا أَكْثَرَ مِمَّا عَمَرُوهَا

और उन्हों ने जमीन को जोता और आबाद किया था उस से जयादा जितना उन्हों ने आबाद किया है

وَ جَاءَتْهُمْ رُسُلُهُم بِالْبَيِّنَاتِ ۖ فَمَا كَانَ اللَّهُ لِيَظْلِمَهُمْ

और उन के पास उन के पैगम्बर रोशन मोअजिजात ले कर आये थे? फिर अद्लाड औसा नहीं था के उन पर

وَلَكِنَّ كَانُوا أَنفُسَهُمْ يَظْلِمُونَ ۝ ثُمَّ كَانَ عَاقِبَةَ

जुल्म करता, लेकिन वो अपनी जानों पर जुल्म करते थे. फिर भुरा करने वालों

الَّذِينَ اسَاءُوا السُّوْآیَ اَنْ كَذَّبُوْا بِآیٰتِ اللّٰهِ وَكَانُوْا

का अन्जाम भडोत डी भुरा हुवा, एस वजड सेके उन्डोने अल्लाड की आयात को जुठलाया और वो उन

بِهَا یَسْتَهْزِءُوْنَ ۙ ۱۱ اللّٰهُ یَبْدُؤُا الْخَلْقَ ثُمَّ یُعِیْدُهٗا

के साथ मजाक करते थे. अल्लाड पेडली बार मज्लूक पैदा करता है, फिर उस को दोबारा पैदा करेगा,

ثُمَّ اِلَیْهِ تُرْجَعُوْنَ ۙ ۱۲ وَیَوْمَ تَقُوْمُ السَّاعَةُ یُبْسِ

फिर उसी की तरफ़ तुम लौटाये जाओगे. और जिस दिन कयामत कांरम डोगी तो मुजरिम लोग

الْمُجْرِمُوْنَ ۙ ۱۳ وَلَمْ یَكُنْ لَهُمْ مِّنْ شُرَکَّآئِهِمْ شَفَعُوْا

मायूस रेड जायेंगे. और उन के लिये उन के शुरका में से सिफ़ारिश करने वाले भी नहीं डोंगे

وَكَانُوْا بِشُرَکَّآئِهِمْ کٰفِرِیْنَ ۙ ۱۴ وَیَوْمَ تَقُوْمُ السَّاعَةُ

और वो अपने शुरका का ई-कार कर देंगे. और जिस दिन कयामत कांरम डोगी

یَوْمَیْذٍ یَّتَفَرَّقُوْنَ ۙ ۱۵ فَاَمَّا الَّذِیْنَ اٰمَنُوْا وَعَمِلُوْا

उस दिन सभ अलग अलग डो जायेंगे. फिर जो लोग ईमान लाये और नेक काम

الصّٰلِحٰتِ فَهُمْ فِیْ رَوْضَةٍ یُّحْبَرُوْنَ ۙ ۱۶ وَاَمَّا الَّذِیْنَ

करते रहे तो वो भाग में डोंगे, उन्हे भुश कर दिया जायेगा. और जिन्डों ने

کَفَرُوْا وَ كَذَّبُوْا بِآیٰتِنَا وَلِقَآئِ الْاٰخِرَةِ فَاُولٰٓئِکَ

कुड़ किया और डमारी आयतों को और आभिरत के मिलने को जुठलाया, तो वो

فِی الْعَذَابِ مُحَضَّرُوْنَ ۙ ۱۷ فَسُبْحٰنَ اللّٰهِ حِیْنَ

अजाभ में डाजिर किये जायेंगे. तो अल्लाड की तस्बीड करो जब

تُمْسُوْنَ وَحِیْنَ تُصْبِحُوْنَ ۙ ۱۸ وَلَهُ الْحَمْدُ فِی السَّمٰوٰتِ

शाम करो और जब सुभड करो. और उसी के लिये तमाम तारीकें हैं आस्मानों और जमीन

وَ الْاَرْضِ وَعَشِیًّا وَ حِیْنَ تُظْهِرُوْنَ ۙ ۱۹ یُخْرِجُ الْحَیَّ

में और सेड पडर के वक्त और जिस वक्त तुम डोपेडेर करो. वडी जिन्डा को मुर्दे

مِنَ الْمَیِّتِ وَ یُخْرِجُ الْمَیِّتَ مِنَ الْحَیِّ وَ یُحِی

से निकालता है और मुर्दे को जिन्डा से निकालता है और जमीन को

الْاَرْضَ بَعْدَ مَوْتِهَا ۙ وَكَذٰلِكَ تُخْرَجُوْنَ ۙ ۲۰ وَمِنْ اٰیٰتِهٖ

उस के भुशड डो जाने के बाड जिन्डा करता है. और इसी तरड तुम निकाले जाओगे. और अल्लाड की निशानियों

اَنْ خَلَقَكُمْ مِّنْ تُرَابٍ ثُمَّ اِذَا اَنْتُمْ بَشَرٌ تَنْتَشِرُونَ ﴿۱۰﴾

में से ये है के उस ने तुम्हें पैदा किया मिट्टी से, फिर अब तुम बशर हो, फैल रहे हो।

وَمِن اٰیٰتِهٖ اَنْ خَلَقَ لَكُمْ مِّنْ اَنْفُسِكُمْ اَزْوَاجًا

और अल्लाह की निशानियों में से ये भी है के उस ने तुम्हारे लिये तुम ही (मियां बीवी) से जोड़ों को पैदा किया

لِتَسْكُنُوْا اِلَيْهَا وَجَعَلَ بَيْنَكُمْ مَّوَدَّةً وَرَحْمَةً ۗ

ताके तुम उन के पास सुकून पाओ और तुम्हारे दरमियान मडदबत और शइकत रभ दी।

اِنَّ فِيْ ذٰلِكَ لٰٰیٰتٍ لِّقَوْمٍ يَّتَفَكَّرُوْنَ ﴿۱۱﴾ وَمِن اٰیٰتِهٖ خَلْقُ

यकीनन उस में निशानियां हैं ऐसी कौम के लिये जो सोचती है। और अल्लाह की निशानियों में से आस्मानों

السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ وَاٰخْتِلَافُ اَلْسِنٰتِكُمْ وَاَلْوَانِكُمْ ۗ

और जमीन को पैदा करना है और तुम्हारी बोलियों और तुम्हारे रंगों का अलग अलग होना है।

اِنَّ فِيْ ذٰلِكَ لٰٰیٰتٍ لِّلْعٰلَمِيْنَ ﴿۱۲﴾ وَمِن اٰیٰتِهٖ مَنَامُكُمْ

यकीनन उस में समजने वालों के लिये निशानियां हैं। और अल्लाह की निशानियों में से तुम्हारा सोना है

بِاللَّیْلِ وَالنَّهَارِ وَاَبْتِغَاؤُكُمْ مِّنْ فَضْلِهٖ ۗ اِنَّ

रात में और दिन में और तुम्हारा तलाश करना है उस की रोजी को। यकीनन

فِيْ ذٰلِكَ لٰٰیٰتٍ لِّقَوْمٍ یَّسْتَعُوْنَ ﴿۱۳﴾ وَمِن اٰیٰتِهٖ یُرِيْكُمْ

उस में निशानियां हैं ऐसी कौम के लिये जो सुनती है। और अल्लाह की निशानियों में से ये भी है के वो तुम्हें

الْبَرْقَ خَوْفًا وَطَمَعًا وَيُنزِلُ مِنَ السَّمَآءِ مَآءً فِیْجِی

बिजली टिभाता है डराने के लिये और लालच के लिये, और वो आस्मान से पानी भरसाता है, फिर उस के जरिये

بِهٖ الْاَرْضَ بَعْدَ مَوْتِهَا ۗ اِنَّ فِيْ ذٰلِكَ لٰٰیٰتٍ

जमीन को उस के भुशक हो जाने के बाद जिन्दा करता है। यकीनन उस में अलबता निशानियां हैं

لِّقَوْمٍ یَّعْقِلُوْنَ ﴿۱۴﴾ وَمِن اٰیٰتِهٖ اَنْ تَقُوْمَ

ऐसी कौम के लिये जो सोचती है। और अल्लाह की निशानियां में से ये भी है के आस्मान और जमीन

السَّمَآءِ وَاَلْاَرْضِ بِاَمْرِهٖ ۗ ثُمَّ اِذَا دَعَاكُمْ دَعْوَةً ۗ

अल्लाह के हुकम से काँठम हैं। फिर जब वो तुम्हें पुकारेगा अक ही पुकार

مِّنَ الْاَرْضِ ۗ اِذَا اَنْتُمْ تَخْرُجُوْنَ ﴿۱۵﴾ وَاَلَمْ یُنزِلْ

जमीन से तो उसी वक्त तुम (जमीन) से निकल आओगे। और उस की मिल्क हैं वो तमाम चीजें जो

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۖ كُلُّ لَهٗ قَدْتُونَ ﴿۳۷﴾ وَهُوَ الَّذِي

आस्मानों और जमीन में है। तमाम उस के ताबेदार हैं। और वही अल्लाह है जो मख्लूक

يَبْدَأُ الْخَلْقَ ثُمَّ يُعِيدُهُ وَهُوَ أَهْوَنُ عَلَيْهِ ۖ وَلَهُ

को पेडली बार पैदा करता है, फिर उस को दोबारा पैदा करेगा, और ये उस पर आसान है। और

الْمَثَلُ الْأَعْلَىٰ فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۗ وَهُوَ الْعَزِيزُ

सब से उंची शाने (वहदानियत) उसी के लिये है आस्मानों और जमीन में। और वो जबरदस्त है,

الْحَكِيمُ ۙ ضَرَبَ لَكُمْ مَثَلًا مِّنْ أَنفُسِكُمْ هَلْ لَّكُمْ

छिकमत वाला है। उस ने तुम्हारे लिये मिसाल बयान की तुम्हारी जानों से। क्या तुम्हारे

مِن مَّا مَلَكَتْ أَيْمَانُكُمْ مِّن شُرَكَاءَ فِي مَا رَزَقْنَاكُمْ

मख्लूक तुम्हारे शरीक हैं उस रोजी में जो हम ने तुम्हें दी

فَأَنْتُمْ فِيهِ سَوَاءٌ تَخَافُونَهُمْ كَخِيفَتِكُمْ أَنفُسَكُمْ

के तुम (और वो मख्लूक) बराबर हो जाओ, के तुम उन से डरो तुम्हारे अपने से डरने की तरह?

كَذَلِكَ نَفِصِلُ الْآيَاتِ لِقَوْمٍ يَعْقِلُونَ ﴿۳۸﴾ بَلِ اتَّبَعَ

ईसी तरह हम आयतों तफसील से बयान करते हैं उन लोगों के लिये जो अकल रખते हैं। बल्के ये

الَّذِينَ ظَلَمُوا أَهْوَاءَهُمْ بِغَيْرِ عِلْمٍ ۗ فَمَنْ يَهْدِي

जालिम अपनी ज्वाडिशात के पीछे बगैर हलील के यल पडे हैं। फिर कौन उस को रास्ता

مَنْ أَضَلَّ اللَّهُ ۖ وَمَا لَهُمْ مِّن نَّصِيرِينَ ﴿۳۹﴾ فَأَقِم

दिबा सकता है जिसे अल्लाह गुमराह कर दे? और उन के लिये कोई मददगार नहीं होगा। तो आप अपना खेडरा डर तरफ

وَجْهَكَ لِلدِّينِ حَنِيفًا ۗ فِطْرَتَ اللَّهِ الَّتِي فَطَرَ النَّاسَ

से डेर कर ईसी दीन की तरफ रभिये, अल्लाह की फ़ितरत (दीन) की तरफ जिस पर अल्लाह ने ईंसानों को पैदा

عَلَيْهَا ۗ لَا تَبْدِيلَ لِخَلْقِ اللَّهِ ۗ ذَلِكَ الدِّينُ الْقَيِّمُ ۙ

किया है। बदलना नहीं है अल्लाह के बनाये हुवे को। ये सीधा दीन है।

وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ﴿۴۰﴾ مُنِيبِينَ إِلَيْهِ

लेकिन अकसर लोग जानते नहीं। उसी की तरफ रुजूअ करने वाले बनो

وَاتَّقُوا ۚ وَاقِيمُوا الصَّلَاةَ وَلَا تَكُونُوا مِنَ الْمُشْرِكِينَ ﴿۴۱﴾

और उसी से डरो और नमाज काईम करो और मुशरिकीन में से मत बनो।

﴿۳۷﴾



مِنَ الَّذِينَ فَرَّقُوا دِيَنَهُمْ وَ كَانُوا شِيْعًا ۙ كُلُّ حِزْبٍ

उन में से जिन्हों ने अपने हीन को टुकडे टुकडे कर दिया और वो कइ गिरोड बन गअे. हर इरक

بِمَا لَدَيْهِمْ فَرِحُونَ ﴿۲۲﴾ وَاِذَا مَسَّ النَّاسَ ضُرٌّ دَعَوْا

उसी पर भुश है जो उस के पास है. और जब ध-सानों को अरर पडोंयता है तो वो अपने रभ को

رَبَّهُمْ مُنِيْبِيْنَ اِلَيْهِ ثُمَّ اِذَا اَذَاقَهُمْ مِنْهُ رَحْمَةً

पुकारते हैं उसी की तरफ़ रुजूअ करते हुवे, इर जब वो उन्हें अपनी तरफ़ से रडमत यभाता है

اِذَا فَرِيقٌ مِنْهُمْ بِرَبِّهِمْ يُشْرِكُوْنَ ﴿۲۳﴾ لِيَكْفُرُوا

तो इरन उन में से अेक जभाअत अपने रभ के साथ शरीक ठेडराने लगती है. ताके वो नाशुकरी करे

بِمَا آتَيْنَهُمْ فَتَمْتَعُوا ۗ فَسَوْفَ تَعْلَمُوْنَ ﴿۲۴﴾ اَمْ اَنْزَلْنَا

उन थीओं की जो डम ने उन्हें दीं. इर तुम मजे उडा लो, इर तुम्हें माडूम डो जाअेगा. या डम ने उन

عَلَيْهِمْ سُلْطٰنًا فَهُوَ يَتَكَلَّمُ بِمَا كَانُوا بِهٖ يُشْرِكُوْنَ ﴿۲۵﴾

पर कोई दलील उतारी है, जो ताईद करती डो उन के धर्तिकाडे शरक की?

وَ اِذَا اَذَقْنَا النَّاسَ رَحْمَةً فَرِحُوا بِهَا ۗ وَاِنْ تُصِبْهُمْ

और जब डम ध-सानों को रडमत यभाते हैं तो वो उस पर भुश डोने लगते हैं. और जब उन्हें मुसीबत

سَيِّئَةً ۗ بِمَا قَدَّمَتْ اَيْدِيَهُمْ اِذَا هُمْ يَقْنَطُوْنَ ﴿۲۶﴾

पडोंयती है उन आमाल की वजड से जो उन के डथों ने आगे डेजे हैं तो इरन वो मायूस डो जाते हैं.

اَوْ لَمْ يَرَوْا اَنَّ اللّٰهَ يَبْسُطُ الرِّزْقَ لِمَنْ يَّشَاءُ وَيَقْدِرُ

क्या उन्होंने ने देभा नडी के अद्लाड रोजी कुशाद और तंग करते हैं जिस के लिये याडते हैं?

اِنَّ فِيْ ذٰلِكَ لَاٰيٰتٍ لِّقَوْمٍ يُؤْمِنُوْنَ ﴿۲۷﴾ فَاَت

यकीनन उस में निशानियां हैं अैसी कौम के लिये जो धमान लाती है. तो तुम

ذَا الْقُرْبٰى حَقَّهُ وَالْمِسْكِيْنَ وَاِبْنَ السَّبِيْلِ ۗ ذٰلِكَ

रिशतेदारों को और मरकीन और मुसाइर को उस का डक डो. ये

خَيْرٌ لِّلَّذِيْنَ يُرِيْدُوْنَ وَجْهَ اللّٰهِ ۗ وَاُوْلٰئِكَ هُمُ

डेडतर है उन लोगों के लिये जो अद्लाड की रजा याडते हैं. और यडी लोग

الْمُفْلِحُوْنَ ﴿۲۸﴾ وَاَمَّا اَتَيْتُمْ مِّنْ رَّبِّا لِّيَرْبُوْا فِيْ اَمْوَالِ

इडाल पाने वाले हैं. और जो सूद तुम डेते डो ताके वो डणडे लोगों के मालों

النَّاسِ فَلَا يَرْبُؤُوا عِنْدَ اللَّهِ ۖ وَمَا اتَّيْتُمْ مِّنْ مَّرْكُوتٍ

में, तो वो अल्लाह के नजदीक तो बण्डता नहीं. और जो उकत देते हो

تُرِيدُونَ وَجْهَ اللَّهِ فَأُولَٰئِكَ هُمُ الْمُضْعِفُونَ ﴿۲۱﴾ اللَّهُ

अल्लाह की रजा तलब करते हुवे तो यही लोग हुगना करने वाले हैं. अल्लाह

الَّذِي خَلَقَكُمْ ثُمَّ رَزَقَكُمْ ثُمَّ يُمِيتُكُمْ ثُمَّ يُحْيِيكُمْ ۗ

ने तुम्हें पैदा किया, फिर उस ने तुम्हें रोजी दी, फिर वो तुम्हें मौत देगा, फिर वो तुम्हें जिन्दा करेगा.

هَلْ مِنْ شُرَكَائِكُمْ مَّنْ يَّفْعَلُ مِنْ ذَلِكُمْ

क्या तुम्हारे शुरका में से कोई है जो उस में से कुछ भी कर

مِّنْ شَيْءٍ ۗ سُبْحٰنَهُ وَتَعَالٰى عَمَّا يُشْرِكُونَ ﴿۲۲﴾ ظَهَرَ الْفَسَادُ

सकते हो? अल्लाह पाक है और भरतर है उन चीजों से जिन्हें वो शरीक ठेहराते हैं. फ़साद फैल गया

فِي الْبَرِّ وَالْبَحْرِ ۗ مَا كَسَبَتْ أَيْدِي النَّاسِ لِيُذَيِّقَهُمْ

भुशकी और तरी में उन आमाल की बहौलत जो ध-सानी हाथों ने किये, ताके अल्लाह

بَعْضَ الَّذِي عَمِلُوا لَعَّاهُمْ يَرْجِعُونَ ﴿۲۳﴾ قُلْ سِيرُوا

उन के कुछ आमाल की उन्हें सजा यभाये ताके वो भाज आ जायें. आप इरमा दीजिये के तुम

فِي الْأَرْضِ فَانظُرُوا كَيْفَ كَانَ عَاقِبَةُ الَّذِينَ

जमीन में यलो, फिर देखो के उन लोगों का अ-जाम कैसा हुवा जो उन से

مِّن قَبْلُ ۗ كَانَ أَكْثَرُهُمْ مُّشْرِكِينَ ﴿۲۴﴾ فَأَقِمَّ وَجْهَكَ

पेडले थे. उन में से अकसर मुशरिक थे. तो आप अपना येहरा सीधा रभिये

لِلدِّينِ الْقَيِّمِ ۚ مِنْ قَبْلِ أَنْ يَأْتِيَ يَوْمٌ لَا مَرَدَّ لَهُ

धस सीधे दीन की तरफ़ धस से पेडले के वो दिन आ जाये जिस के टलने का कोई धम्कान नहीं

مِّنَ اللَّهِ يَوْمَئِذٍ يَصَّدَّعُونَ ﴿۲۵﴾ مَن كَفَرَ فَعَلَيْهِ

अल्लाह की तरफ़ से, उस दिन वो सब अलग अलग हो जायेंगे. जो कुफ़ करेगा तो उसी के जिम्मे

كُفْرُهُ ۗ وَمَنْ عَمِلَ صَالِحًا فَلَا نَفْسَهُمْ يَهْتَدُونَ ﴿۲۶﴾

उस के कुफ़ का वभाल पड़ेगा. और जो नेक अमल करेगा तो अपनी ही ज़ात के झर्रहे के लिये वो तैयारी कर रहे हैं.

لِيَجْزِيَ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ مِنْ فَضْلِهِ ۗ

ताके अल्लाह धिमान वालों को और उन को जिन्हों ने नेक अमल किये अपने इजल से बहला दे.

إِنَّهُ لَا يُحِبُّ الْكَافِرِينَ ﴿۳۰﴾ وَمِنْ آيَاتِهِ أَنْ يُرْسِلَ

यकीनन अल्लाह काफ़िरो से मलुबत नही करते. और अल्लाह की निशानियों में से ये है के वो उवाओं

الرِّيَّاحِ مُبَشِّرَاتٍ وَلِيُذِيقَكُمْ مِنْ رَحْمَتِهِ وَلِتَجْرِيَ

भेजता है बशरत देने वाली बना कर और ताके वो तुम्हे अपनी कुछ रहमत का मज्जा यभाये और ताके कशती

الْفُلُكُ بِأَمْرِهِ وَلِتَبْتَغُوا مِنْ فَضْلِهِ وَلَعَلَّكُمْ

यले अल्लाह के हुकम से और ताके तुम उस का इजल तलब करो और ताके तुम

تَشْكُرُونَ ﴿۳۱﴾ وَلَقَدْ أَرْسَلْنَا مِنْ قَبْلِكَ رُسُلًا

शुक करो. यकीनन हम ने आप से पेहले पैगम्बर भेजे

إِلَى قَوْمِهِمْ فَبَاءُوا وَهُمْ بِالْبَيْتِ فَأَتَقَمْنَا مِنَ الَّذِينَ

उन की कौम की तरफ़, फिर वो उन के पास रोशन मोअजिजात ले कर आये, फिर हम ने मुजरिमों से

أَجْرُمُوا ۖ وَكَانَ حَقًّا عَلَيْنَا نَصْرُ الْمُؤْمِنِينَ ﴿۳۲﴾ اللَّهُ الَّذِي

धन्तिकाम लिया. और हम पर लाजिम है धिमान वालों की मदद करना. अल्लाह ही है जो

يُرْسِلُ الرِّيَّاحَ فَتُبَيِّرُ سَحَابًا فَيَبْسُطُهُ فِي السَّمَاءِ كَيْفَ

उवाओं भेजता है, फिर वो बादलों को उडाती हैं, फिर उस को आस्मान में डैलाता है जैसे

يَشَاءُ وَيَجْعَلُهُ كِسْفًا فَتَرَى الْوَدْقَ يَخْرُجُ

याडता है, और उस को अलग अलग टुकडे बना देता है, फिर तुम मेंड को देखोगे जो उस के दरमियान से

مِنْ خِلَلِهِ ۖ فَإِذَا أَصَابَ بِهِ مِنْ يَسَاءٍ مِنْ عِبَادٍ

निकलती है. फिर जब वो उस को पडोयाता है जिसे याडता है अपने बन्दों में से

إِذَا هُمْ يَسْتَبْشِرُونَ ﴿۳۳﴾ وَإِنْ كَانُوا مِنْ قَبْلِ

तब वो भुश डो जाते हैं. और यकीनन इस से पेहले के

أَنْ يُنَزَّلَ عَلَيْهِمْ مِنْ قَبْلِهِ لَمُبْلِسِينَ ﴿۳۴﴾ فَاَنْظُرْ

उन के उपर ये बारिश भरसाध जाये वो बिल्कुल नाउम्मीद थे. फिर आप देखिये अल्लाह

إِلَى آثَرِ رَحْمَتِ اللَّهِ كَيْفَ يُحْيِي الْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتِهَا ۗ

की रहमतों के निशानात की तरफ़ के केसे अल्लाह जमीन को उस के भुशक डो जाने के बाद जिन्दा करता है.

إِنَّ ذَلِكَ لَمِنْ أَيْمَانِ اللَّهِ ۗ وَهُوَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿۳۵﴾

यकीनन वो मुरदों को भी जिन्दा करने वाला है. और वो हर चीज पर कुदरत वाला है.

وَلَيْنَ أَرْسَلْنَا رِجًا فَرَاوَهُ مُصَفَّرًا لَّظَلُّوا مِنْ بَعْدِهِ

और अगर हम तूफ़ानी उवा भेजें, फिर वो भेती को जर्द देम लें, तो जरूर उस के बाद वो नाशुकरी

يَكْفُرُونَ ﴿۵۱﴾ فَإِنَّكَ لَا تَسْمَعُ الْمَوْتَى وَلَا تَسْمَعُ الصُّمَّ

करने लगे। यकीनन आप मुरदों को नहीं सुना सकते और आप बेउरे को पुकार नहीं

الدُّعَاءَ إِذَا وَلَّوْا مُدْبِرِينَ ﴿۵۲﴾ وَمَا أَنْتَ بِهَادِ الْعَمَى

सुना सकते जब के वो पुश्त फेर कर भागे भी. और आप अन्धों को उन की गुमराही से रास्ता

عَنْ ضَلَلَّتْهُمْ ۖ إِنْ تَسْمِعُ إِلَّا مَنْ يُؤْمِنُ بِآيَاتِنَا

नहीं दिभा सकते. आप तो सिर्फ उसी को सुना सकते हैं जो उमारी आयतों पर ईमान लाये हैं,

فَهُمْ مُسْلِمُونَ ﴿۵۳﴾ اللَّهُ الَّذِي خَلَقَكُمْ مِنْ ضَعْفٍ

फिर वो ताबेदारी करते हैं. अल्लाह ही है जिस ने तुम्हें पैदा किया कमजोरी से,

ثُمَّ جَعَلَ مِنْ بَعْدِ ضَعْفٍ قُوَّةً ثُمَّ جَعَلَ

फिर उस ने कमजोरी के बाद कुव्वत दी, फिर कुव्वत के

مِنْ بَعْدِ قُوَّةٍ ضَعْفًا وَشَيْبَةً ۖ يَخْلُقُ مَا يَشَاءُ ۚ وَهُوَ

बाद कमजोरी और बुण्डापा दिया. अल्लाह पैदा करता है जो यादता है. और वो

الْعَلِيمُ الْقَدِيرُ ﴿۵۴﴾ وَيَوْمَ تَقُومُ السَّاعَةُ يُقْسِمُ

ईल्म वाला, कुदरत वाला है. और जिस दिन क्यामत का ईम डोगी तो मुजरिम लोग

الْجُرْمُونَ ۚ مَا لَبِثُوا غَيْرَ سَاعَةٍ ۖ كَذَلِكَ كَانُوا

कस्में भाअेंगे के वो अक घडी से जयादा नहीं ठेडरे. इसी तरड ये डक से

يُؤْفَكُونَ ﴿۵۵﴾ وَقَالَ الَّذِينَ أُوتُوا الْعِلْمَ وَالْإِيمَانَ

लौटाये जाते थे. और उन लोगों ने कडा जिन को ईल्म और ईमान दिया गया के

لَقَدْ لَبِثْتُمْ فِي كِتَابِ اللَّهِ إِلَى يَوْمِ الْبَعْتِ ۖ فَهَذَا يَوْمُ

यकीनन तुम अल्लाह की किताब के अैतेबार से ठेडरे डो क्थ्रों से उठाये जाने के दिन तक. तो ये क्थ्रों से

الْبَعْتِ وَلَكِنَّكُمْ كُنْتُمْ لَا تَعْلَمُونَ ﴿۵۶﴾ فَيَوْمَئِذٍ

उठाये जाने का दिन है, लेकिन तुम जानते नहीं थे. फिर उस दिन

لَّا يَنْفَعُ الَّذِينَ ظَلَمُوا مَعذِرَتُهُمْ وَلَا هُمْ يُسْتَعْتَبُونَ ﴿۵۷﴾

उन जालिमों को उन की माजिरत नफ़ा नहीं देगी और न उन से माफी तलब की जायेगी.

وَلَقَدْ صَرَبْنَا لِلنَّاسِ فِي هَذَا الْقُرْآنِ مِنْ كُلِّ مَثَلٍ

यकीनन उम ने ँनसानों के लिये ँस कुर्आन में उर मिसाल बयान की है.

وَلَيْنِ جِئْتَهُمْ بِآيَةٍ لَيَقُولَنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا

और अगर आप उन के पास भोअजिआ ले भी आओं तब भी काकिर लोग कउंगे

إِنْ أَنْتُمْ إِلَّا مُبْطِلُونَ ﴿۵۱﴾ كَذَلِكَ يَطْبَعُ اللَّهُ

भस! तुम तो जुडे डो. ँसी तरड अल्लाड मुडर लगा देता है उन

عَلَى قُلُوبِ الَّذِينَ لَا يَعْلَمُونَ ﴿۵۲﴾ فَاصْبِرْ إِنَّ وَعْدَ

लोगों के दिलों पर जो समजते नहीं. ँस लिये आप सभ्र कीजिये, यकीनन अल्लाड

اللَّهُ حَقٌّ وَلَا يَسْتَخِفُّكَ الَّذِينَ لَا يُوقِنُونَ ﴿۵۳﴾

का वादा सख्या है और आप से सभ्र का दामन न छुडा दे (आपे से भाडर न करे) वो लोग जो यकीन नहीं रभते.

﴿۳۱﴾ سُورَةُ الْقُرْآنِ الْمَكِّيَّةِ (۵۴) رُكُوعَاتُهَا ۴

और ४ रुकूअ हैं सूरअे लुकमान मक्का में नाजिल हुँ ँस में ३४ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

पण्डता हुं अल्लाड का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निडायत रडम वाला है

الْمَّ ﴿۱﴾ تِلْكَ آيَةُ الْكِتَابِ الْحَكِيمِ ﴿۲﴾ هُدًى

अलिफ़ लाम भीम. ये डिक्मत वाली किताब की आयतें हैं. डिदायत

وَرَحْمَةً لِلْمُحْسِنِينَ ﴿۳﴾ الَّذِينَ يُقِيمُونَ الصَّلَاةَ

और रडमत है उन नेकी करने वालों के लिये जो नमाज काँम करते हैं

وَيُؤْتُونَ الزَّكَاةَ وَهُمْ بِالْآخِرَةِ هُمْ يُوقِنُونَ ﴿۴﴾

और जकात देते हैं और जो आभिरत पर भी यकीन रभते हैं.

أُولَئِكَ عَلَى هُدًى مِّن رَّبِّهِمْ وَأُولَئِكَ هُمُ

ये अपने रभ की तरफ़ से डिदायत पर हैं और यही लोग

الْمُفْلِحُونَ ﴿۵﴾ وَمِنَ النَّاسِ مَن يَشْتَرِي لَهْوَ

इलाड पाने वाले हैं. और उन लोगों में से अक वो भी है जो अल्लाड से गाकिल करने वाली कडानियां

الْحَدِيثِ لِيُضِلَّ عَن سَبِيلِ اللَّهِ بِغَيْرِ عِلْمٍ

भरीदता है ताके वो बेसमजे अल्लाड के रास्ते से गुमराड कर दे.

وَيَتَّخِذَهَا هُزُوًا اُولَٰئِكَ لَهُمْ عَذَابٌ مُّهِينٌ ۝

और वो राडे भुदा को मजाक बनाता है. यही हैं जिन के लिये दुस्वा करने वाला अजाब है.

وَإِذَا تُلِيٰ عَلَيْهِ اٰيٰتُنَا وَلِيٰ مُسْتَكْبِرًا كَانَ

और जब हमारी आयतें उस पर तिलावत की जाती हैं तो वो तकबुर से मुंड डेर लेता है गोया के

لَمْ يَسْمَعْهَا كَانَ فِيْ اُذُنَيْهِ وَقَرَّاءٌ فَبَشَّرَهُ بِعَذَابٍ

उस ने सुना ही नहीं गोया उस के कान में डाट है. तो आप उसे दर्दनाक अजाब की बशारत

اَلَيْمٍ ۝ اِنَّ الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا وَعَمِلُوا الصّٰلِحٰتِ لَهُمْ

सुना दीजिये. यकीनन वो लोग जो ईमान लाओ और नेक अमल करते रहे उन के लिये

جَنَّتِ النَّعِيْمِ ۝ خٰلِدِيْنَ فِيْهَا وَعَدَّ اللّٰهُ حَقًّا

जन्नाते नईम हैं. जिन में वो हमेशा रहेंगे. अल्लाह ने सख्खा वादा इरमाया है.

وَهُوَ الْعَزِيْزُ الْحَكِيْمُ ۝ خَلَقَ السَّمٰوٰتِ بِغَيْرِ عَمَدٍ

और अल्लाह जबरदस्त है, डिकमत वाला है. उस ने आस्मान पैदा किये बगैर सुतून के

تَرَوْنَهَا وَاَلْقٰ فِي الْاَرْضِ رَوٰسِيًّۙ اَنْ تَمِيْدَ بِكُمْ

जिन को तुम देख सको और उस ने ज़ीमन में पडास रभ दिये के वो तुम्हें ले कर डिलने न लगे

وَبَثَّ فِيْهَا مِنْ كُلِّ دَابَّةٍ ۝ وَاَنْزَلْنَا مِنَ السَّمَاءِ

और उस ने ज़मीन में हर किसम के जानवर डैला दिये. और हम ने आस्मान से पानी

مَّاءً فَاَنْبَتْنَا فِيْهَا مِنْ كُلِّ زَوْجٍ كَرِيْمٍ ۝ هٰذَا خَلْقٌ

उतारा, फिर हम ने उस में नभातात के भुबसूरत जोडे उगाओ. ये अल्लाह की मज्लूक

اللّٰهِ فَارُوْنِيْ مَاذَا خَلَقَ الَّذِيْنَ مِنْ دُوْنِهِ ۝

है, तो मुझे दिभाओ के जो अल्लाह के अलावा हैं उन लोगों ने क्या पैदा किया?

بَلِ الظّٰلِمُوْنَ فِيْ صَلٰلٍ مُّبِيْنٍ ۝ وَاَلَقَدْ اَتَيْنَا لُقْمٰنَ

बल्ले ये जालिम भुली गुमराडी में हैं. यकीनन हम ने लुकमान को डिकमत

الْحِكْمَةَ اَنْ اشْكُرْ لِلّٰهِ ۝ وَمَنْ يَشْكُرْ فَاِنَّمَا يَشْكُرُ

दी के अल्लाह का शुक अदा करो. जो शुक करेगा तो सिर्फ अपने जाली झंठडे के लिये

لِنَفْسِهٖ ۝ وَمَنْ كَفَرَ فَاِنَّ اللّٰهَ عَنِّيْ حَمِيْدٌ ۝ وَاِذْ

करेगा. और जो नाशुकरी करेगा तो यकीनन अल्लाह बेनियाज है, काबिले तारीफ़ है. और जब

قَالَ لُقْمٰنُ لِابْنِهِ وَهُوَ يَعْظُهُ يَبْنٰى لَا تُشْرِكْ بِاللّٰهِ

लुकमान (अलैहिस्सलाम) ने अपने बेटे से कहा जब वो उसे नसीहत कर रहे थे अमेरे बेटे! तू अल्लाह के साथ शरीक मत ठेकरा.

اِنَّ الشِّرْكَ لَظُلْمٌ عَظِيْمٌ ﴿۱۳﴾ وَصَّيْنَا الْاِنْسَانَ

यकीनन शिर्क बडोत बडा जुल्म है. और हम ने इन्सान को उस के वालिदैन के मुतअद्लिक

بِوَالِدَيْهِۙ حَمَلَتْهُ اُمُّهُ وَهَنًا عَلٰى وَهْنٍ وَفِضْلُهُ

हुकम दिया के उस की मां ने उस को पेट में उढाया है कमजोरी दर कमजोरी, और उस का दूध छुडाना

فِيۙ عَامِيْنَ اِنْ اَشْكُرْ لِيۙ وَلِوَالِدَيْكَ ۖ اِلَى الْمَصِيْرِ ﴿۱۴﴾

दो साल के अन्दर डोता है, के तू मेरा और अपने वालिदैन का शुक्रगुजार रेड. मेरी डी तरफ लौटना है.

وَ اِنْ جَاهَدَكَ عَلٰى اَنْ تُشْرِكَ بِيۙ مَا لَيْسَ لَكَ بِهٖ

और अगर वालिदैन तुजे मजबूर करे इस पर के तू मेरे साथ शरीक ठेकरा अऐसी चीज को जिस की तेरे पास कोई

عِلْمًا فَلَا تُطِعْهُمَا وَ صَاحِبُهُمَا فِي الدُّنْيَا مَعْرُوفًا ۙ

दलील नहीं, तो तू उन का केडना न मानना, लेकिन उन के साथ रेडना दुन्या में उई के मुताबिक.

وَ اتَّبِعْ سَبِيْلَ مَنْ اٰنَابَ اِلَىَّ ۗ ثُمَّ اِلَىٰ مَرْجِعِكُمْ

और उन लोगों के रास्ते पर चलना जो मेरी तरफ दुखूअ डोते हैं, फिर मेरी डी तरफ तुम्हें लौट कर आना है,

فَاُنَبِّئِكُمْ بِمَا كُنْتُمْ تَعْمَلُوْنَ ﴿۱۵﴾ يٰبْنٰى اِنَّمَا اِنْ تَكَ

फिर मैं तुम्हें बताउंगा जो अमल तुम करते थे. अ मेरे बेटे! यकीनन अगर राई

مُتَقَالًا حَبَّةٍ مِّنْ حَرْدَلٍ فَتَكُنْ فِيۙ صَخْرَةٍ

के डाने के बराबर भी कोई चीज डो, फिर वो किसी यटान में डो

اَوْ فِي السَّمٰوٰتِ اَوْ فِي الْاَرْضِ يٰٓاْتِ بِهَا اللّٰهُ ۗ

या आस्मानों या जमीन में डो, तब भी अल्लाह उस को ले आयेगा.

اِنَّ اللّٰهَ لَطِيْفٌ خَبِيْرٌ ﴿۱۶﴾ يٰبْنٰى اَقِمِ الصَّلٰوةَ وَاْمُرْ

यकीनन अल्लाह बारीकबीन, बाबबर है. अ मेरे बेटे! तू नमाज काईम कर और नेकी का

بِ الْمَعْرُوفِ وَاِنَّهٗ عَنِ الْمُنْكَرِ وَاَصْبِرْ عَلٰى

हुकम कर और बुराई से रोक और सध्र कर उन मुसीबतों पर

مَا اَصَابَكَ ۗ اِنَّ ذٰلِكَ مِنْ عَزْمِ الْاُمُوْرِ ﴿۱۷﴾ وَلَا تُصَعِّرْ

जो तुजे पडोयीं. यकीनन ये अैसे उमूर में से है जिन का अजम किया जाता है. और तू अपना

وَقَفَّيْنَا عَلَىٰ لِقٰۤئِهِۦ وَوَعَدْنَاهُ نَجٰۤتًا

النَّجٰۤتِ

خَدَّكَ لِلنَّاسِ وَلَا تَبْسُ فِي الْمَرِيضِ مَرَحًا ط

रुप्सार लोगों से मत डेर और जमीन में अकड कर मत यल.

اِنَّ اللّٰهَ لَا يُحِبُّ كَلَّ مُخْتَالٍ فَخُورًا ﴿۱۸﴾ وَاَقْصِدْ

यकीनन अल्लाह डर तकल्लूर करने वाले, इफर करने वाले से मडल्लत नडी करता. और दरभियानी

فِي مَشِيكَ وَاغْضُضْ مِنْ صَوْتِكَ ط اِنَّ اَنْكَرَ

याल धप्तिवार कर और अपनी आवाज पस्त रभ. यकीनन सभ से

الْاَصْوَاتِ لَصَوْتِ الْحَيْرِ ﴿۱۹﴾ اَلَمْ تَرَوْا اَنَّ اللّٰهَ

भुरी आवाज गधे की आवाज डे. क्या तुम ने देभा नडी के अल्लाह ने

سَخَّرَ لَكُمْ مَّا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي الْاَرْضِ

तुम्हारे ताभेअ कर दी वो यीजे जो आस्मानों और जमीन में डे

وَأَسْبَغَ عَلَيْكُمْ نِعْمَهُ ظَاهِرَةً وَبَاطِنَةً ط

और तुम पर अपनी ज़ाडिरी और बातिनी नेअमतों की वुस्रत इरमा दी डे.

وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يُّجَادِلُ فِي اللّٰهِ بِغَيْرِ عِلْمٍ وَلَا هُدًى

और लोगों में ऐसे भी डे जो अल्लाह के बारे में जघडते डे धल्म और डिदायत

وَلَا كِتٰبٍ مُّنبِئٍ ﴿۲۰﴾ وَاِذَا قِيْلَ لَهُمْ اتَّبِعُوا

और रोशन किताभ के भगैर. और जब उन से कडा जाता डे के तुम उस डिदायत की

مَا اَنْزَلَ اللّٰهُ قَالُوْا بَلْ نَتَّبِعُ مَا وَجَدْنَا عَلَيْهِ

पैरवी करो जो अल्लाह ने उतारी डे, तो केडते डे के बल्के डम तो उस की पैरवी करेगे जिस पर डम ने डमारे

اَبَآءِنَا اَوْ لَوْ كَانَ الشَّيْطٰنُ يَدْعُوهُمْ اِلَىٰ عَذَابِ

भाप दादा को पाया. क्या अगरये शयतान उन को भुला रडा डो दोजभ के अजाभ की

السَّعِيْرِ ﴿۲۱﴾ وَمَنْ يُسَلِّمْ وَجْهَهُ اِلَى اللّٰهِ وَهُوَ

तरइ? और जो अपना येडरा अल्लाह के ताभेअ कर देगा और वो

مُحْسِنٌ فَقَدْ اَسْتَمْسَكَ بِالْعُرْوَةِ الْوُثْقٰى ط

निकोकार डो, तो उस ने मजभूत कडा थाम लिया.

وَالِى اللّٰهِ عَاقِبَةُ الْمُؤْمِرِ ﴿۲۲﴾ وَمَنْ كَفَرَ فَلَا يَحْزُنكَ

और अल्लाह डी की तरइ तमाम उभूर का अ-जाम डे. और जो कुइ करता डे तो उस का कुइ आप को गमगीन



كُفْرًا ۚ اِلَيْنَا مَرْجِعُهُمْ فَنُنَبِّئُهُم بِمَا عَمِلُوا ۗ اِنَّ اللّٰهَ

न करे. उमारी ही तरफ़ उन को लौटना है, फिर हम उन्हें बता देंगे जो अमल उन्होंने ने किये थे. यकीनन अल्लाह

عَلِيمٌ ۙ يَدَاتِ الصُّدُورِ ﴿۱۳﴾ مُتَّبِعُهُمْ قَلِيلًا ثُمَّ نَضَّطَّرَّهُمْ

दिलों का डाल भूष जानते हैं. हम उन्हें थोडा झरझरा उठाने देंगे, फिर जबरदस्ती ले जायेंगे

اِلَىٰ عَذَابٍ غَلِيظٍ ﴿۱۴﴾ وَلَئِنْ سَأَلْتَهُمْ مَنْ خَلَقَ

सप्त अजाब की तरफ़. और अगर आप उन से सवाल करें के किस ने आस्मान

السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ لَيَقُولُنَّ اللّٰهُ ۗ قُلِ الْحَمْدُ لِلّٰهِ ۗ

और जमीन पैदा किये, तो जरूर कहेगे के अल्लाह ने. आप इरमा दीजिये के तमाम तारीफ़े अल्लाह के लिये हैं.

بَلْ اَكْثَرُهُمْ لَا يَعْلَمُوْنَ ﴿۱۵﴾ لِلّٰهِ مَا فِي السَّمٰوٰتِ

बल्के उन में से अकसर जानते नहीं. अल्लाह की मिल्क हैं वो तमाम चीज़ें जो आस्मानों और जमीन

وَالْاَرْضِ ۗ اِنَّ اللّٰهَ هُوَ الْعَزِيْزُ الْحَمِيْدُ ﴿۱۶﴾ وَلَوْ اَنَّ مَا

में हैं. यकीनन अल्लाह बेनियाज़ है, काबिले तारीफ़ है. और अगर वो दरफ्त जो

فِي الْاَرْضِ مِنْ شَجَرَةٍ اَقْلَامٍ وَّالْبَحْرِ يَمْدًا ۖ مِنْ

जमीन में हैं वो कलम बन जायें और समन्दर उस के लिये रोश्नाई बन जायें, उस के बाद

بَعْدِهَا سَبْعَةُ اَجْرٍ مَّا نَفَدَتْ كَلِمَتُ اللّٰهِ ۗ اِنَّ

सात समन्दर और भी हों, तब भी अल्लाह के कलिमात खत्म नहीं होंगे. यकीनन

اللّٰهُ عَزِيْزٌ حَكِيْمٌ ﴿۱۷﴾ مَا خَلَقَكُمْ وَلَا بَعَثَكُمْ اِلَّا

अल्लाह जबरदस्त है, डिक्मत वाला है. तुम्हारा पैदा किया जाना और तुम्हारा कब्रों से उठाना नहीं है मगर

كَنْفُسٍ وَّاِحْدَةٍ ۗ اِنَّ اللّٰهَ سَبِيْعٌ بَصِيْرٌ ﴿۱۸﴾ اَلَمْ تَرَ اَنَّ

अक जान (पैदा करने) के मानिन्द. यकीनन अल्लाह सुनने वाला, देखने वाला है. क्या आप ने देखा नहीं के

اللّٰهُ يُوَلِّجُ اللَّيْلَ فِي النَّهَارِ وَيُوَلِّجُ النَّهَارَ فِي اللَّيْلِ وَ

अल्लाह रात को दिन में दाखिल करता है और दिन को रात में दाखिल करता है और

سَخَّرَ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ كُلًّا يَّجْرِي اِلَىٰ اَجَلٍ مُّسَمًّى

उस ने यांद् और सूरज को काम में लगा रखा है. सभ के सभ चलते रहेंगे अक वक्ते मुकर्ररा तक

وَ اَنَّ اللّٰهَ بِمَا تَعْمَلُوْنَ خَبِيْرٌ ﴿۱۹﴾ ذٰلِكَ بِاَنَّ اللّٰهَ

और ये के अल्लाह तुम्हारे आमाद से बाजबर है. ये ईस वजह से के अल्लाह

هُوَ الْحَقُّ وَاِنَّ مَا يَدْعُوْنَ مِنْ دُوْنِهِ الْبَاطِلُ ۚ

ही उक है और ये के अल्लाह के सिवा जिन को ये पुकारते हैं वो बातिल हैं

وَاِنَّ اللّٰهَ هُوَ الْعَلِيُّ الْكَبِيْرُ ۗ اَلَمْ تَرَ اَنَّ الْفُلْكَ

और ये के अल्लाह भरतर है, बडा है. क्या आप ने देखा नहीं के कशती

تَجْرِيْ فِي الْبَحْرِ بِنِعْمَتِ اللّٰهِ لِيُرِيْكُمْ مِّنْ اٰيٰتِهٖ ۝

यलती है समन्दर में अल्लाह की नेअमत से ताके वो तुम्हें अपनी कुछ निशानियां दिभाये.

اِنَّ فِيْ ذٰلِكَ لَآيٰتٍ لِّكُلِّ صَبَّارٍ شَكُوْرٍ ۝

यकीनन उस में अलबता निशानियां हैं डर सभ्र करने वाले, शुक करने वाले के लिये. और जब

عَشِيْرُهُمْ مَّوْجٌ كَاظُمٌ دَعَوْا اللّٰهَ مُخْلِصِيْنَ

उन्हें मौज ढांप लेती है सायभानो की तरफ, तो वो अल्लाह को पुकारने लगते हैं उस के लिये ँभाहत को भादिस करते

لَهُ الدِّيْنَ ۗ فَلَمَّا نَجَّاهُمْ اِلَى الْبَرِّ فَبُهِتُمْ مُّقْتَصِدٌ ۝

हुवे. फिर जब वो उन को भया कर भुशकी की तरफ ले आता है तो उन में से कुछ भयानारवी ँभितयार करने वाले

وَمَا يَجْحَدُ بِآيٰتِنَا اِلَّا كُلُّ خٰتِاٍ كَفُوْرٍ ۝

डोते हैं. और उमारी आयतों का ँकार नहीं करता मगर जो गदार, नाशुकरा है. अे

النَّاسُ اتَّقُوا رَبَّكُمْ وَاخْشَوْا يَوْمًا لَّا يَجْزِي

ँसानो! तुम अपने रभ से डरो और तुम डरो उस दिन से जिस दिन कोँ वालिह

وَالِدٌ عَنْ وَّلَدِهٖ ۚ وَلَا مَوْلُوْدٌ هُوَ جَارٍ عَنْ

अपनी औलाह के काम नहीं आयेगा और न औलाह अपने वालिह के कुछ भी काम

وَالِدِهٖ شَيْئًا ۝ اِنَّ وَعْدَ اللّٰهِ حَقٌّ فَلَا تَغُرَّكُمْ

आ सकेगी. यकीनन अल्लाह का वादा सख्या है, फिर तुम्हें हुन्यवी जिन्दगी

الْحَيٰوةَ الدُّنْيَا ۗ وَلَا يَغُرَّكُمْ بِاللّٰهِ الْعُرُوْرُ ۝

धोके में न डाले. और तुम्हें अल्लाह से धोके में न रभे धोकेभाज (शयतान).

اِنَّ اللّٰهَ عِنْدَآ عِلْمُ السَّاعَةِ ۗ وَ يُنْزِلُ الْغَيْثَ ۗ

यकीनन अल्लाह के पास क्यामत का ँल्म है. और वही बारिश को उतारता है.

وَيَعْلَمُ مَا فِي الْاَرْحَامِ ۗ وَمَا تَدْرِيْ نَفْسٌ مَّاذَا

और जानता है उसे जो बख्यादानियों में है. और कोँ शप्स नहीं जानता के

تَكْسِبُ غَدًا ۖ وَمَا تَدْرِي نَفْسٌ بِأَيِّ اَرْضٍ

कल क्या करेगा? और कोई शप्स नहीं जानता के किस जमीन में

تَتَوُتُ ۗ اِنَّ اللّٰهَ عَلِيْمٌ خَبِيْرٌ ﴿٣٣﴾

भरेगा? यकीनन अल्लाह ँलम वाला, बाभबर है.

رُوعًا ٣

(٣٢) سُورَةُ السَّجْدَةِ مَكِّيَّةٌ (٤٥)

اَيَّاهَا ٣٠

और उ रुकूअ है

सूरअे सजदा मक्का में नाजिल हुँ

ँस में ३० आयतें हैं

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ۝

पण्डता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बडा मेहरबान, निहायत रहम वाला है

الْمَرَّ ۖ تَنْزِيْلُ الْكِتٰبِ لَا رَيْبَ فِيْهِ مِنْ رَبِّ

अलिङ्ग लाम भीम. ँस किताब का उतारा जाना रबुल आलमीन की तरङ्ग से है, ँस में

الْعٰلِيْنَ ۝ اَمْ يَقُوْلُوْنَ افْتَرٰهُ ۗ بَلْ هُوَ الْحَقُّ مِنْ

कोई शक नहीं. क्या ये केडते हैं के ँस नभी ने ढुद उस को घड लिया है? अडके ये डक है तेरे रब

رَبِّكَ لِتُنذِرَ قَوْمًا مَّا اٰتٰهُمْ مِّنْ نَّذِيْرٍ مِّنْ قَبْلِكَ

की तरङ्ग से ताके आप डराअें अैसी कौम को जिन के पास आप से पेडले कोई डराने वाला नहीं आया

لَعَلَّهُمْ يَهْتَدُوْنَ ۝ اللّٰهُ الَّذِيْ خَلَقَ السَّمٰوٰتِ

ताके वो राड पाअें. अल्लाह डी है जिस ने आस्मानों और जमीन को

وَالْاَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا فِيْ سِتَّةِ اَيَّامٍ ثُمَّ اسْتَوٰى

और उन थीजों को जो उन के दरमियान में हैं छे दिन में पैदा किया है, ङिर वो

عَلَى الْعَرْشِ ۗ مَا لَكُمْ مِّنْ دُوْنِهِ مِنْ وَّلِيٍّ وَّلاَ

अर्श पर मुस्तवी हुवा. तुम्हारे लिये उस के सिवा कोई महदगार और सिङ्गारिशी

شٰفِيْعٍ ۗ اَفَلَا تَتَذَكَّرُوْنَ ۝ يُدَبِّرُ الْاَمْرَ مِنْ

नहीं है. क्या ङिर तुम नसीडत डसिल नहीं करते? वो तमाम उमूर की तदबीर करता है आस्मान

السَّمٰءِ اِلَى الْاَرْضِ ثُمَّ يَعْرُجُ اِلَيْهِ فِيْ يَوْمٍ

से जमीन तक, ङिर वो उस की तरङ्ग यण्डते हैं अैसे दिन में

كَانَ مِقْدَارًا اَلْفَ سَنَةٍ مِّمَّا تَعُدُّوْنَ ۝ ذٰلِكَ

जिस की मिकदार तुम्हारी गिन्ती के अैतेबार से अेक डजार साल है. वो

عِلْمُ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ الْعَزِيزُ الرَّحِيمُ ۝ الَّذِي

गाईब और हाजिर का जानने वाला है, जबरदस्त है, निहायत रहम वाला है। वो अल्लाह

أَحْسَنَ كُلِّ شَيْءٍ خَلَقَهُ وَبَدَأَ خَلْقَ الْإِنْسَانِ

जिस ने हर चीज को अच्छा बनाया जो भी उस ने पैदा किया, और इन्सान को पेडले मिट्टी से

مِنْ طِينٍ ۝ ثُمَّ جَعَلَ نَسْلَهُ مِنْ سُلَالَةٍ مِّنْ مَّاءٍ

पैदा किया। फिर उस ने उस की नस्ल को अक उकीर पानी के झुलासे से

مَّهِينٍ ۝ ثُمَّ سَوَّاهُ وَنَفَخَ فِيهِ مِن رُّوحِهِ وَجَعَلَ

बनाया। फिर उस को पूरा पूरा बनाया, फिर उस में अपनी रुह झूंक दी और

لَكُمْ السَّمْعَ وَالْأَبْصَارَ وَالْأَفْئِدَةَ ۗ قَلِيلًا مَّا تَشْكُرُونَ ۝

उस ने तुम्हारे कान, आंख और दिल बनाये। बहुत कम तुम शुक अदा करते हो।

وَقَالُوا ءِذَا ضَلَلْنَا فِي الْأَرْضِ أَإِنَّا لَفِي خَلْقٍ

और ये केहते हैं क्या जब हम गुम हो जायेंगे जमीन में, तब हम नई पैदाईश में जिन्दा करके उठाये

جَدِيدٍ ۗ بَلْ هُمْ بِلِقَاءِ رَبِّهِمْ كَفِرُونَ ۝ قُلْ

जायेंगे? बल्के वो अपने रब की मुलाकात ही का इन्कार कर रहे हैं। आप इरमा दीजिये

يَتَوَفَّكُم مَّلَكُ الْمَوْتِ الَّذِي وُكِّلَ بِكُمْ ثُمَّ

के तुम्हें वफात देगा मौत का वो इरिश्ता जो तुम पर मुतअय्यन है, फिर

إِلَىٰ رَبِّكُمْ تُرْجَعُونَ ۝ وَلَوْ تَرَىٰ إِذِ الْبُحْرُمُونَ

तुम अपने रब की तरफ लौटाये जाओगे। और काश के आप देभते जब ये मुजरिम

نَاكِسُوا رُءُوسِهِمْ عِنْدَ رَبِّهِمْ ۗ رَبَّنَا أَبْصَرْنَا

अपने सर अपने रब के सामने झुकाये हुवे होंगे। (वो कहेंगे) ओ हमारे रब! हम ने

وَسَمِعْنَا فَأَرْجِعْنَا نَعْمَلْ صَالِحًا إِنَّا مُوقِنُونَ ۝

देभ लिया और सुन लिया, तो तू हमें (दुन्या में) वापस भेज दे के हम नेक अमल करे हमें यकीन आ गया।

وَلَوْ شِئْنَا لَآتَيْنَا كُلَّ نَفْسٍ هُدًىٰ وَلَكِنْ حَقَّ

और अगर हम याहते तो हर शप्स को उस की हिदायत दे देते, लेकिन मेरी जानिब से कौले सादिक

الْقَوْلُ مِنِّي لَأَمْلَأَنَّ جَهَنَّمَ مِنَ الْجِنَّةِ وَالنَّاسِ

सादिर हो युका है के मैं जिन्नात और इन्सानों, दोनों से जहन्नम को जरूर

أَجْمَعِينَ ﴿١٣﴾ فَذُوقُوا بِمَا نَسِيتُمْ لِقَاءَ يَوْمِكُمْ هَذَا

भरुंगा. तो तुम अजाब यभो ँस वजड से के तुम ने अपने ँस दिन की मुलाकात को भुला दिया था.

إِنَّا نَسِينَكُمْ وَ ذُوقُوا عَذَابَ الْخُلْدِ بِمَا كُنْتُمْ

डम ने भी तुम्हें भुला दिया और अपने करतूत के ँवज डमेशा का अजाब

تَعْمَلُونَ ﴿١٤﴾ إِنَّمَا يُؤْمِنُ بِآيَاتِنَا الَّذِينَ إِذَا ذُكِرُوا

यभो. डमारी आयतों पर तो वडी लोग ँमान लाते हैं के जब उन्हे उन आयात के जरिये नसीहत

بِهَا خَرُّوا سُجَّدًا وَسَبَّحُوا بِحَمْدِ رَبِّهِمْ وَهُمْ لَا

की जाती है, तो सजडे में गिर जाते हैं और अपने रब की डमड के साथ तस्बीह करते हैं और वो

يَسْتَكْبِرُونَ ﴿١٥﴾ تَتَجَافَى السُّجَّةِ جُنُوبُهُمْ عَنِ الْمَضَاجِعِ

भडाई नहीं याडते. उन के पेडलू प्वाभगाडों से अलग रेडते हैं,

يَدْعُونَ رَبَّهُمْ خَوْفًا وَطَمَعًا وَمِمَّا رَزَقْنَاهُمْ يُفْتُونَ ﴿١٦﴾

वो अपने रब को भौंक व उम्मीड से पुकारते हैं. और डमारी दी डुई रोजी में से भर्य करते हैं.

فَلَا تَعْلَمُ نَفْسٌ مَّا أُخْفِيَ لَهُمْ مِّن قُرَّةِ أَعْيُنٍ ؕ

डर कोई शप्स नहीं जानता के आंभों की डंडक में से क्या उस के लिये छुपाया गया है,

جَزَاءُ ۖ بِمَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿١٧﴾ أَفَمَن كَانَ مُؤْمِنًا

उन के आमाल के भडले में. क्या डर वो शप्स जो भोमिन डो

كَمَن كَانَ فَاسِقًا ۗ لَا يَسْتَوُونَ ﴿١٨﴾ أَمَّا الَّذِينَ 'أَمْوًا

उस शप्स की तरड डो सकता है जो भडकार है? डोनो भराभर नहीं डो सकते. अलभत्ता जो लोग ँमान लाभे

وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ فَلَهُمْ جَنَّاتُ الْمَأْوَىٰ ز نُزُلًا ۖ بِمَا

और नेक अमल करते रडे, उन के लिये रेडने की जन्नतें हैं. भेडमानी के भातिर उन आमाल के

كَانُوا يَعْمَلُونَ ﴿١٩﴾ وَأَمَّا الَّذِينَ فَسَقُوا فَمَأْوَاهُمُ النَّارُ

भडले में जो वो करते थे. और अलभत्ता जो भडकार हैं तो उन का ठिकाना डोजभ है.

كُلَّمَا أَرَادُوا أَنْ يَخْرُجُوا مِنْهَا أُعِيدُوا فِيهَا

जभ कभी वडं से निकलने का ँराड करेंगे तो उस में डोभारा लौटा दिये जाअेंगे

وَقِيلَ لَهُمْ ذُوقُوا عَذَابَ النَّارِ الَّتِي كُنْتُمْ بِهَا

और उन से कडा जाअेगा के उस आग के अजाब को यभो जिस को तुम जुडलाया

تَكْذِبُونَ ﴿١٥﴾ وَلَنَذِيْقَنَّهُمْ مِّنَ الْعَذَابِ الْاَدْنٰى

करते थे. और हम उन्हें करीबी अजाब में से यथाअंगे

دُوْنِ الْعَذَابِ الْاَكْبَرِ لَعَلَّهُمْ يَرْجِعُوْنَ ﴿١٦﴾ وَمَنْ

भडे अजाब से पेडले शायद वो भाज आ जाअें. और उस से

اَظْلَمُ مِمَّنْ ذُكِّرَ بِاٰیٰتِ رَبِّهِ ثُمَّ اَعْرَضَ عَنْهَا ۗ

ज्यादा जालिम कौन होगा जिसे उस के रब की आयात के जरिये नसीहत की जाअे, फिर वो उस से औराज करे?

اِنَّا مِنَ الْبٰجِرِمِیْنَ مُنتَقِمُوْنَ ﴿١٧﴾ وَلَقَدْ اَتَيْنَا مُوسٰى

यकीनन हम मुजरिमों से धन्तिकाम लेने वाले हैं. यकीनन हम ने मूसा (अलौहिस्सलाम) को

الْكِتٰبَ فَلَا تَكُنْ فِیْ مَرِیَّةٍ مِّنْ لِّقَاۤیْهِ وَجَعَلْنٰهُ

किताब दी, तो आप उस की मुलाकात के बारे में शक में न रहिये, और हम ने

هُدٰى لِّبَنۢیْۤیْ اِسْرَٓءِیْلَ ﴿١٨﴾ وَجَعَلْنَا مِنْهُمْ اِیْمَةً

उसे बनी धस्राधल के लिये छिदायत बनाया. और हम ने उन में से पेशवा बनाअे

یَهْدُوْنَ بِاَمْرِنَا لَبَّا صَبْرًا وَّاٰنَّا وَكَانُوا بِاٰیٰتِنَا

जो हमारे हुकम से रहनुमाध करते थे जब उन्होंने ने सध्र किया. और वो हमारी आयातों पर यकीन

یُوْقِنُوْنَ ﴿١٩﴾ اِنَّ رَبَّكَ هُوَ یَفْصِلُ بَیْنَهُمْ یَوْمَ الْقِیٰمَةِ

रखते थे. यकीनन तेरा रब उन के दरमियान कयामत के दिन कैसला करेगा

فِیْمَا كَانُوا فِیْهِ یَخْتَلِفُوْنَ ﴿٢٠﴾ اَوَلَمْ یَهْدِ لَهُمْ

उन भातों में जिन में वो धधितलाक कर रहे थे. क्या उन के लिये ये चीज छिदायत का भाधस नहीं हुध के

كَمْ اَهْلَكْنَا مِنْ قَبْلِهِمْ مِّنَ الْقُرُوْنِ یَسْۤؤُنَ

हम ने उन से पेडले कितनी कौमों को हलाक किया जिन के मकानात में

فِیْ مَسْكِنِهِمْ ۗ اِنَّ فِیْ ذٰلِكَ لَآٰیٰتٍ ۗ اَفَلَا یَسْمَعُوْنَ ﴿٢١﴾

ये यलते हैं? यकीनन धस में अलभत्ता निशानियां हैं. क्या फिर वो सुनते नहीं?

اَوَلَمْ یَرَوْا اَنَّا نَسُوْقُ الْمَآءَ اِلٰی الْاَرْضِ الْجُرُبِ

क्या उन्होंने ने देभा नहीं के हम पानी को यलाते हैं बन्जर जमीन की तरक,

فَنُخْرِجُ بِهٖ زَرْعًا تَاْكُلُ مِنْهُ اَنْعَامُهُمْ وَاَنْفُسُهُمْ ۗ

फिर हम उस के जरिये भेती निकालते हैं जिस से उन के यौपाअे और भुद वो भी भाते हैं.

اَفَلَا يُبْصِرُونَ ﴿۳۷﴾ وَ يَقُولُونَ مَتَىٰ هٰذَا الْفَتْحُ

क्या फिर वो दृष्टते नही? और ये पूछते हैं के ये इतल कल है

اِنْ كُنْتُمْ صٰدِقِيْنَ ﴿۳۸﴾ قُلْ يَوْمَ الْفَتْحِ لَا يَنْفَعُ الَّذِيْنَ

अगर तुम सख्ये हो? आप इरमा दीजिये के इतल के दिन काफ़िरो को उन का इमान लाना

كَفَرُوْا اِيْمَانُهُمْ وَلَا هُمْ يُنْظَرُونَ ﴿۳۹﴾ فَاَعْرَضْ

नई नही देगा और न उन्हें मोडलत दी जायेगी. इस लिये उन से आप अरल क्रीजिये

عَنْهُمْ وَاَنْتَظِرْ اِيْتَهُمْ مُّنتَظِرُونَ ﴿۴۰﴾

और मुन्तज़िर रहिये. यकीनन ये भी मुन्तज़िर हैं.

رُكُوْعَاتُهَا ۹

(۳۳) سُورَةُ الْاَحْزَابِ مَبْدُؤِيَّتُهَا (۹۰)

اِيَاتُهَا ۴۳

और ८ रुकूअ हैं सूअे अलजल मदीना में नलल लुई उस में ७३ आयतें हैं

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

पणलता हुं अल्लाह का नाम ले कर जो बल मेहरबान, नललयत रहम वलल है

يٰۤاَيُّهَا النَّبِیُّ اَتَّقِ اللّٰهَ وَلَا تُطِيعِ الْكٰفِرِيْنَ وَالْمُنٰفِقِيْنَ ۗ

ओ नभी (सल्लल्लाहु अलयल्ले व सल्लम)! आप अल्लाह से डरिये और काफ़िरो और मुनाफ़िको का केडना न मानिये.

اِنَّ اللّٰهَ كَانَ عَلِيْمًا حَكِيْمًا ۝ وَاَتَّبِعْ مَا يُوحٰى اِلَيْكَ

यकीनन अल्लाह इलम वलल, लिकमत वलल है. और उस क्री पैरवी क्रीजिये जो आप क्री तरई आप के रह क्री

مِنْ رَّبِّكَ ۗ اِنَّ اللّٰهَ كَانَ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيْرًا ۝

तरई से वही क्रीया जो रहा है. यकीनन अल्लाह तुम्हारे आमल से बाणबर है.

وَتَوَكَّلْ عَلٰى اللّٰهِ ۗ وَكَفٰى بِاللّٰهِ وَكِیْلًا ۝ مَا جَعَلَ

और आप अल्लाह पर तवक्कुल क्रीजिये. और अल्लाह कारसल काई है. अल्लाह ने क्रीसी

اللّٰهُ لِرَجُلٍ مِّنْ قَلْبِيْنَ فِىْ جَوْفِهِ ۗ وَمَا جَعَلَ

शण्स के सीने में हो दल नही बनाये. और तुम्हारी

اَزْوَاجَكُمْ الّٰئِمْ تُظٰهَرُونَ مِنْهُنَّ اُمَّهَاتِكُمْ ۗ

भीवियों को जिन से तुम ललडार करते हो उन को तुम्हारी मां नही बनाया.

وَمَا جَعَلَ اَدْعِيَاءَكُمْ اَبْنَاءَكُمْ ۗ ذٰلِكُمْ قَوْلُكُمْ

और तुम्हारे मुंड भोले भेटो को तुम्हारे लकीकी भेटे नही बनाया. ये तुम्हारी अपने मुंड से कही लुई

بِأَفْوَاهِكُمْ وَاللَّهُ يَقُولُ الْحَقَّ وَهُوَ يَهْدِي السَّبِيلَ ۝

भाते हैं. और अल्लाह उक केडता है और वो सीधे रास्ते की रडनुमाई करता है.

أَدْعُوهُمْ لِأَبَائِهِمْ هُوَ أَقْسَطُ عِنْدَ اللَّهِ ۚ فَإِنْ

तुम उन को उन के बाप दादा की तरफ़ मन्सूब कर के पुकारो, ये अल्लाह के नजदीक जयादा ईन्साफ़ वाली चीज है. फिर अगर

لَمْ تَعْلَمُوا آبَاءَهُمْ فَاخْوَانَكُمْ فِي الدِّينِ وَمَوَالِيكُمْ ۗ

तुम उन के बाप दादा को नहीं जानते तो वो दीन में तुम्हारे भाई हैं और तुम्हारे आजादकरदा गुलाम हैं.

وَ لَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ فِيمَا أَخْطَأْتُمْ بِهِ ۚ

और तुम पर कोई डरज नहीं है उस में जो तुम गलती कर बैओ,

وَلَكِنْ مَا تَعَمَّدَتْ قُلُوبُكُمْ ۗ وَكَانَ اللَّهُ غَفُورًا

लेकिन वो जिस का तुम दिल से ईरादा करो. (ये गलत है.) और अल्लाह बफ़शने वाला,

رَحِيمًا ۝ النَّبِيُّ أَوْلَىٰ بِالْمُؤْمِنِينَ مِنْ أَنفُسِهِمْ

निडायत रडम वाला है. ये नबी ईमान वालों पर उन की जानों से भी जयादा उक रफते हैं,

وَأَزْوَاجَهُ أُمَّهَاتُهُمْ ۗ وَأُولُوا الْأَرْحَامِ بَعْضُهُمْ أَوْلَىٰ

और नबी की भीवियां उन की माअें हैं. और रिश्तेदार उन में से अक दूसरे के जयादा उकदार

بِبَعْضٍ فِي كِتَابِ اللَّهِ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ وَالْمُهَاجِرِينَ

हैं अल्लाह की किताब में ईमान वालों से और मुडजिरीन से,

إِلَّا أَنْ تَفْعَلُوا إِلَىٰ أَوْلِيَائِكُمْ مَعْرُوفًا ۗ كَانَ ذَٰلِكَ

मगर ये के तुम अपने दोस्तों के साथ उई के मुताबिक कोई मुआमला करो. ये

فِي الْكِتَابِ مَسْطُورًا ۝ وَإِذْ أَخَذْنَا مِنَ النَّبِيِّينَ

किताब में लिखा हुवा है. और जब डम ने अम्बिया से उन का

مِيثَاقَهُمْ وَمِنْكَ وَمِنْ نُوحٍ وَإِبْرَاهِيمَ وَ مُوسَىٰ

अडह लिया और आप से और नूड और ईब्राहीम और मूसा

وَ عِيسَى ابْنِ مَرْيَمَ ۗ وَأَخَذْنَا مِنْهُمْ مِيثَاقًا غَلِيظًا ۝

और ईसा ईबने मरयम (अलयडिमुस्सलाम) से और डम ने उन से पुफ्ता अडह लिया.

لِيَسْأَلَ الصَّادِقِينَ عَنْ صَدُقِهِمْ ۗ وَأَعَدَّ لِلْكَافِرِينَ

ताके अल्लाह सख्यों से उन की सख्याई के मुतअद्लिक सवाल करे. और अल्लाह ने काफ़िरो के लिये दईनाक



عَدَابًا اِلَيْمًا ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا اذْكُرُوا نِعْمَةَ اللَّهِ

अजाब तैयार कर रखा है. ओ ईमान वालो! तुम याद करो अल्लाह की उस नेअमत को

عَلَيْكُمْ اِذْ جَاءَتْكُمْ جُنُودٌ فَاَرْسَلْنَا عَلَيْهِمْ رِيحًا

जो तुम पर है जब तुम्हारे पास लशकर आये, फिर हम ने उन पर तूफानी हवा

وَجُنُودًا لَّمْ تَرَوْهَا ۝ وَكَانَ اللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرًا ۝

और जैसे लशकर भेजे जिन को तुम ने नहीं देखा. और अल्लाह तुम्हारे आमांल देण रहे थे.

اِذْ جَاءُوكُم مِّنْ فَوْقِكُمْ وَمِنْ أَسْفَلَ مِنكُمْ

जब वो तुम्हारे पास आये तुम्हारे उपर से और तुम्हारे नीचे से

وَإِذْ رَأَعَتِ الْاَبْصَارُ وَبَلَغَتِ الْقُلُوبُ الْحَنَاجِرَ وَتَظُنُّونَ

और जब के आंभों इटी की इटी रह गई और दिल हलक तक पडोंय गये और तुम ने अल्लाह के

بِاللَّهِ الظُّنُونَا ۝ هُنَالِكَ ابْتُلِيَ الْمُؤْمِنُونَ وَزُلْزِلُوا

साथ तरह तरह के गुमान किये. उस वक्त ईमान वाले आजाभाये गये और

زَلْزَالًا شَدِيدًا ۝ وَإِذْ يَقُولُ الْمُنْفِقُونَ وَالَّذِينَ

उन्हें सप्त डिला दिया गया. और जब मुनाफिक मई और वो जिन के दिलों में

فِي قُلُوبِهِمْ مَّرَضٌ مَّا وَعَدْنَا اللَّهُ وَرَسُولُهُ

मर्ज है केडने लगे हम से अल्लाह ने और उस के रसूल ने जो वादा किया था

إِلَّا غُرُورًا ۝ وَإِذْ قَالَتْ طَآئِفَةٌ مِّنْهُمْ يَا هَلِ

वो धोका डी था. और जब उन में से अेक जमाअत केह रही थी के अे यसरिण

يَثْرَبَ لَا مَقَامَ لَكُمْ فَارْجِعُوا ۝ وَيَسْتَأْذِنُ فَرِيقٌ

वालो! तुम्हारे लिये ठेडेरने की जगा नहीं है, तो वापस लौट जाओ. और उन में से अेक जमाअत नभीअे अकरम

مِّنْهُمْ النَّبِيَّ يَقُولُونَ إِنَّ بُيُوتَنَا عَوْرَةٌ ۝ وَمَا هِيَ

(सदलद्लाहु अलयडि व सदलम) से ईजाजत तलण कर रही थी, वो केह रही थी के यकीनन हमारे घर ખाली पडे है,

بِعَوْرَةٍ ۝ إِنْ يُرِيدُونَ إِلَّا فِرَارًا ۝ وَلَوْ دُخِلَتْ

डालांके वो ખाली नहीं थे. वो सिई भागना याडते थे. और अगर (ये लशकर)

عَلَيْهِمْ مِّنْ أَقْطَارِهَا ثُمَّ سَأَلُوا الْفِتْنَةَ لَأْتَوْهَا

मदीना के अतराई से उन पर दाखिल हो कर उन से कुई का मुतालभा करें तो वो कुई कर लेंगे,

وَمَا تَلَبَّثُوا بِهَا إِلَّا يَسِيرًا ﴿۱۳﴾ وَلَقَدْ كَانُوا عَاهَدُوا

اور उस में सिर्फ थोड़ी ही देर करेंगे. यकीनन उन्हों ने अद्लाह से उस

اللَّهِ مِنْ قَبْلِ لَا يُؤْتُونَ الْأَدْبَارَ وَكَانَ عَمْدُ اللَّهِ

से पेहले भी वादा किया था के पीछे फेर कर नहीं लागेंगे. और अद्लाह के अहद का

مَسْئُولًا ﴿۱۴﴾ قُلْ لَنْ يَنْفَعَكُمْ الْفِرَارُ إِنْ فَرَرْتُمْ

उत्तर सवाल किया जायेगा. आप इरमा दीजिये के तुम्हें भागना हरगिज नफा नहीं देगा अगर तुम भागोगे

مِنَ الْمَوْتِ أَوِ الْقَتْلِ وَإِذَا لَا تَمْتَعُونَ إِلَّا قَلِيلًا ﴿۱۵﴾

मौत से या कत्ल से और उस वक्त तो झंझड़ा नहीं उठा सकोगे मगर थोडा.

قُلْ مَنْ ذَا الَّذِي يَعْصِمُكُمْ مِنَ اللَّهِ إِنْ أَرَادَ بِكُمْ

आप इरमा दीजिये के कौन है जो तुम्हें बचायेगा अद्लाह से अगर अद्लाह तुम्हारे साथ भुराई का

سُوءًا أَوْ أَرَادَ بِكُمْ رَحْمَةً ۗ وَلَا يَجِدُونَ لَهُمْ

ईरादा करे या तुम पर मेहरबानी का ईरादा करे? और वो अपने लिये अद्लाह के अलावा

مَنْ دُونِ اللَّهِ وَلِيًّا وَلَا نَصِيرًا ﴿۱۶﴾ قَدْ يَعْلَمُ اللَّهُ الْمُعَوِّقِينَ

कोई कारसाज और महदगार नहीं पायेंगे. यकीनन अद्लाह ने मालूम कर लिया है तुम में से रोकने

مِنْكُمْ وَالْقَائِلِينَ لِإِخْوَانِهِمْ هَلُمَّ إِلَيْنَا ۗ

वालों को और अपने भाईयों से केडने वालों को के तुम हमारे पास आ जाओ.

وَلَا يَأْتُونَ الْبَاسَ إِلَّا قَلِيلًا ﴿۱۷﴾ أَشْحَاءَ عَلَيْكُمْ ۗ

और वो कुछ लडाई में नहीं आते मगर थोडा. तुम पर अभीली करते हुवे.

فَإِذَا جَاءَ الْخَوْفُ رَأَيْتَهُمْ يَنْظُرُونَ إِلَيْكَ تَدْوُرًا

झिर जब भौंक आता है, तो आप उन को देखोगे के वो आप की तरफ तक रहे हैं, उन की आंभें

أَعْيُنُهُمْ كَالَّذِي يُغْشَى عَلَيْهِ مِنَ الْمَوْتِ ۗ

धूम रही है उस शप्स की तरफ जिस पर मौत की गशी तारी हो.

فَإِذَا ذَهَبَ الْخَوْفُ سَلَفُكُمْ بِالسِّنَةِ حِدَادٍ أَشْحَاءَ

झिर जब भौंक यला जाता है तो वो आप को तेज ज्भानों से ताने देते हैं माल पर

عَلَى الْخَيْرِ ۗ أُولَٰئِكَ لَمْ يُؤْمِنُوا فَأَحْبَطَ اللَّهُ أَعْمَالَهُمْ ۗ

लालय करते हुवे. ये ईमान ही नहीं लाये, झिर अद्लाह ने उन के आमाल उभत कर दिये.

وَكَانَ ذَلِكَ عَلَى اللَّهِ يَسِيرًا ﴿۱۵﴾ يَحْسَبُونَ الْاَحْزَابَ

और ये अल्लाह पर आसान है. वो समजते हैं के लशकर अभी

لَمْ يَذْهَبُوا ۚ وَانْ يَأْتِ الْاَحْزَابُ يَوَدُّوا لَوْ اَنَّهُمْ

गये नहीं. और अगर लशकर आ जायें तो वो चाहेंगे के काश के वो

بَادُونَ فِي الْاَعْرَابِ يَسْأَلُونَ عَنْ اَنْبِيَائِكُمْ ۗ

(बाहर) देहातियों में रहते, तुम्हारी जगहों के मुताबिक पूछते रहते.

وَلَوْ كَانُوا فِيكُمْ مَا قَاتَلُوا اِلَّا قَلِيلًا ۗ لَقَدْ كَانَ لَكُمْ

और अगर वो तुम में होते भी तो कितना न करते मगर थोडा. यकीनन अल्लाह के

فِي رَسُوْلِ اللَّهِ اُسُوَةٌ حَسَنَةٌ لِّمَنْ كَانَ يَرْجُوا اللَّهَ

रसूल में बेहतरीन नमूना है उस शख्स के लिये जो अल्लाह और आखिरी दिन से

وَالْيَوْمِ الْاٰخِرِ وَذَكَرَ اللَّهُ كَثِيْرًا ﴿۱۶﴾ وَلَمَّا رَاَ الْمُؤْمِنُوْنَ

उम्मीद रખता है और अल्लाह को बडोत जयादा याद करता है. और जब ईमान वालों ने

الْاَحْزَابَ ۙ قَالُوْا هٰذَا مَا وَعَدَنَا اللَّهُ وَرَسُوْلُهُ

लशकर देखे, तो उन्हों ने कहा के ये वो है जिस का अल्लाह और उस के रसूल ने हम से वादा किया था

وَ صَدَقَ اللَّهُ وَ رَسُوْلُهُ ۗ وَمَا زَادَهُمْ اِلَّا اِيْمَانًا

और अल्लाह और उस के रसूल ने सच्चा वादा किया था. और उस चीज ने उन को ईमान और ताबेदारी में

وَوَسَلِيْمًا ﴿۱۷﴾ مِنَ الْمُؤْمِنِيْنَ رِجَالٌ صَدَقُوْا

बण्डा दिया है. ईमान वालों में से ऐसे मर्द हैं जिन्हों ने सच कर दिभाया

مَا عَاهَدُوْا اِلَّا عَلَيْهِ ۗ فَمِنْهُمْ مَّنْ قَضَىٰ نَحْبَهُ ۚ وَمِنْهُمْ

वो अहद जो उन्हों ने अल्लाह से किया था. फिर उन में से कुछ वो हैं जिन्हों ने अपना जिम्मा पूरा कर दिया और उन में

مَّن يَنْتَظِرُ ۗ وَمَا بَدَّلُوْا تَبْدِيْلًا ﴿۱۸﴾ لِّيَجْزِيَ اللَّهُ

से कुछ वो हैं जो मुत्तज़िर हैं. और उन्हों ने कोई तब्दीली नहीं की. ताके अल्लाह सच्यों को

الصّٰدِقِيْنَ بِصَدَقَتِهِمْ وَيُعَذِّبَ الْمُنٰفِقِيْنَ اِنْ شَاءَ

उन की सच्चाई का बदला दे और मुनाफ़िकीन को अगर वो चाहे तो अजाब दे

اَوْ يَتُوبَ عَلَيْهِمْ ۗ اِنَّ اللَّهَ كَانَ غَفُوْرًا رَّحِيْمًا ﴿۱۹﴾

या उन की तौबा कबूल करे. यकीनन अल्लाह बख्शने वाला, निहायत रहम वाला है.

وَرَدَّ اللَّهُ الَّذِينَ كَفَرُوا بِغَيْظِهِمْ لَمْ يَنَالُوا خَيْرًا وَكَفَى

और अल्लाह ने काफ़िरो को डेर दिया अपने गुस्से में (मरे हुवे, वो कोई भैर न ले जा सके. और अल्लाह

اللَّهُ الْمُؤْمِنِينَ الْقِتَالَ ۖ وَكَانَ اللَّهُ قَوِيًّا عَزِيزًا ۝

ईमान वालों की तरफ़ से क़िताल के लिये काफ़ी हो गया. और अल्लाह कुव्वत वाला, ज़बरदस्त है.

وَ أَنْزَلَ الَّذِينَ ظَاهَرُوهُمْ مِّنْ أَهْلِ الْكِتَابِ

और अहले किताब में से जिन्हों ने उन की मदद की थी उन के क़िलओं से उन को

مِنْ صَيَاصِيهِمْ وَقَذَفَ فِي قُلُوبِهِمُ الرُّعْبَ فَرِيقًا تَقْتُلُونَ

नीचे उतारा और उन के कुलूब में रौब डाल दिया, अेक ज़माअत को तुम क़त्ल कर रहे थे

وَتَأْسِرُونَ فَرِيقًا ۖ وَأَوْرَثَكُمْ أَرْضَهُمْ وَوَدْيَارَهُمْ

और अेक ज़माअत को तुम कैदी बना रहे थे. और अल्लाह ने तुम्हें उन की ज़मीन का वारिस बनाया और उन के घरों और उन

وَ أَمْوَالَهُمْ وَأَرْضًا لَّمْ تَطَّوּهُمَا ۖ وَكَانَ اللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ

के मालों का वारिस बनाया, और ऐसी ज़मीन का तुम्हें वारिस बनाया जिस को तुम ने अभी तौह नहीं. और अल्लाह

شَيْءٍ قَدِيرًا ۝ يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ قُلْ لِّأَنْزَوَاجِكَ

उर थीज़ पर कुदरत वाला है. अे नबी! आप इरमा दीजिये आप की भीवियों से के अगर

إِنْ كُنْتُمْ تُرَدُّنَ الْحَيَاةَ الدُّنْيَا وَزِينَتَهَا فَتَعَالَيْنَ

तुम दुन्यवी जिन्दगी और उस की जीनत याहती हो, तो तुम आओ,

أُمَّتِكُمْ وَأَسْرَحَكُمْ سَرَاحًا جَمِيلًا ۝ وَإِنْ كُنْتُمْ

में तुम्हें मताअे दुन्या दे दूं और मैं तुम्हें अरखी तरह छोड दूं. और अगर तुम

تُرَدُّنَ اللَّهَ وَرَسُولَهُ وَالذَّارَ الْآخِرَةَ فَإِنَّ اللَّهَ

अल्लाह और उस के रसूल और दारे आभिरत याहती हो तो यकीनन अल्लाह ने

أَعَدَّ لِلْمُحْسِنَاتِ مِنْكُنَّ أَجْرًا عَظِيمًا ۝ يٰنِسَاءَ النَّبِيِّ

तुम में से नेकी करने वालीयों के लिये अज़रे अज़ीम तैयार कर रभा है. अे नबी की भीवियो!

مَنْ يَأْتِ مِنْكُنَّ بِفَاحِشَةٍ مُّبِينَةٍ يُضَعَفْ لَهَا

तुम में से जो भी भुली बेहयाई करेगी, तो उसे दोहरा

الْعَذَابُ ضِعْفَيْنِ ۖ وَكَانَ ذَلِكَ عَلَى اللَّهِ يَسِيرًا ۝

अज़ाब दिया जाअेगा. और ये अल्लाह पर आसान है.